पटना ●बुधवार, 02 अक्टूबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः262 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान... 3 www. bordernewsmirror.com तृप्ति डिमरी अब माधुरी ... 8

मणिपुर में फिर 6 महीने के लिए बढ़ाया गया अफ्सपा

19 पुलिस थाना क्षेत्रों में रहेगी छूट, नोटिफिकेशन जारी

इंफाल (एजेंसी)। सरकार ने मणिपुर में सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (अफ्सपा) को अगले 6 महीने के लिए सोमवार को बढ़ा दिया। हालांकि, इंफाल घाटी के अंतर्गत आने वाले 19 थाना क्षेत्रों और असम की सीमा से लगे एक क्षेत्र को इससे बाहर रखा गया है। राज्य सरकार के गृह विभाग ने नोटिफिकेशन में बताया कि यह विस्तार 1 अक्टूबर से लागू होगा। इसमें कहा गया, 'राज्य में मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति का विश्लेषण करने के बाद राज्य सरकार की यह राय बनी है। फिलहाल जमीनी स्तर पर विस्तृत आंकलन करना उचित नहीं है, क्योंकि सुरक्षा एजेंसियां कानून व व्यवस्था बनाए रखने में व्यस्त हैं। नोटिफिकेशन में बताया गया कि अशांत क्षेत्र घोषित करने का मुद्दा बेहद संवेदनशील है। अगर उचित निर्णय नहीं लिया गया तो यह आलोचना और प्रतिरोध का कारण बन सकता है। गृह आयुक्त एन. अशोक कुमार की ओर से हस्ताक्षरित अधिसूचना जारी हुई है। इसके मुताबिक, मणिपुर के राज्यपाल 19 थाना क्षेत्रों में आने वाले इलाकों को छोड़कर पूरे मणिपुर को 1 अक्टूबर से अगले छह महीने की अवधि के लिए अशांत क्षेत्र घोषित करने की मंजूरी देते हैं। जिन थाना क्षेत्रों में अफस्पा नहीं लगाया गया है उनमें इंफाल, लाम्फेल, सिटी, सिंगजामेई, सेकमाई, लामसांग, पटसोई, वांगोई, पोरोमपत, हेइंगंग, लामलाई, इरिबंग, लीमाखोंग, थौबल, बिष्णुपुर, नाम्बोल, मोइरंग, काकचिंग और जिरीबाम शामिल हैं। जिन क्षेत्रों को अफ्सपा के दायरे से बाहर रखा गया है, वे बहुसंख्यक मैतेई समुदाय के हैं। अशांत क्षेत्र का दर्जा सबसे पहले 2004 में इंफाल नगर पालिका क्षेत्र और अप्रैल 2022 में 6 जिलों के 15 थानों से हटा दिया गया था। अफस्पा कानून अशांत क्षेत्रों में कार्यरत सशस्त्र बलों को जरूरी लगने पर तलाशी लेने, गिरफ्तारी करने और गोली चलाने का अधिकार देता है।

हमारे पास विकल्प नहीं

पश्चिम बंगाल में डॉक्टरों ने फिर बंद किया काम

- ममता सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरे जूनियर डॉक्टर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार को फिर से काम बंद करने का ऐलान कर दिया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कैंपस में सुरक्षा सुनिश्चित करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर ममता बनर्जी सरकार पर दबाव बनाने के लिए यह फैसला लिया गया। इससे पहले जूनियर डॉक्टर्स काम रोककर 42 दिनों तक विरोध प्रदर्शन करते रहे और 21 सितंबर को सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी पर लौटे थे। दरअसल, 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में ऑन-ड्यूटी ट्रेनी डॉक्टर के बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। इसके विरोध में पूरे देश में प्रदर्शन हुए और कोलकाता के जूनियर डॉक्टर्स ने सुरक्षा की मांग को लेकर काम रोक दिया। आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों में से एक अनिकेत महतो ने कहाकि सुरक्षा से जुड़ी हमारी मांगों को पूरा करने के लिए राज्य सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई है। आज विरोध प्रदर्शन का 52वां दिन है। हमारे ऊपर अभी तक हमले हो रहे हैं। आंदोलन के दौरान किए गए अन्य वादों को पूरा करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ बैठक के बाद, हमारे पास आज से पूर्ण काम बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि जब तक राज्य सरकार इन मांगों पर स्पष्ट कार्रवाई नहीं करती, तब तक काम पूरी तरह बंद रहेगा। इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से भी बयान जारी किया गया। राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत ने सोमवार को कहाकि सरकार अस्पतालों में चिकित्सकों की सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए काम कर रही है और इसके परिणाम जल्द ही सामने आएंगे। कोलकाता के सरकारी आर.जी. कर अस्पताल में महिला प्रशिक्षु चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर पंत ने कहा कि आंदोलनकारी कनिष्ठ चिकित्सकों को अधीर नहीं होना चाहिए।

महाराष्ट्र की सियासत में बड़े बदलाव के आसार!

- आधी रात को नड्डा से मिले संजय राउत और फडणवीस से उद्धव
- वंचित बहुजन अघाड़ी पार्टी का बड़ा दावा- पालाबदल का है प्लान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना नेताओं के बीच मुलाकात की अटकलें हैं। वंचित बहुजन अघाड़ी ने दावा किया है कि उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे की मीटिंग हुई है। साथ ही पार्टी ने यह भी दावा किया है कि राज्यसभा सांसद संजय राउत भी दिल्ली में भाजपा चीफ जगत प्रकाश नड्डा से मिले थे। हालांकि, इसे लेकर दोनों ही दलों ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। वीबीए के मुख्य प्रवक्ता सिद्धार्थ मोकले की तरफ से एक वीडियो मैसेज जारी किया गया है। मोकले का दावा है कि राउत ने 25 जुलाई को रात 2 बजे नड्डा से 7 डी मोतीलाल मार्ग पर मुलाकात की थी। उन्होंने कहा, इसके बाद 5 अगस्त रात 12 बजे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मातोश्री बंगले पर गए थे। वह अकेले ही गए थे। दोनों के बीच 2 घंटे तक बैठक चली। उन्होंने कहा,इसके बाद 6 अगस्त को ठाकरे दिल्ली गए। मोकले का कहना है कि ठाकरे को साफ करना चाहिए कि दिल्ली के दौरे पर उनके साथ कौन था और वहां उन्होंने किससे मुलाकात की। वीबीए प्रवक्ता का कहना है,हमें जो जानकारी मिली है, उसे हम जनता के सामने रख रहे हैं। इसके पीछे कारण है कि राज्य में जो आरक्षणवादी मतदाता है, वो जानते हैं कि भाजपा और उसके सहयोगी आरक्षण के विरोधी हैं।

एलएसी पर हालात ठीक नहीं किसी भी ऑपरेशन को तैयार

सीमा पर चीन से विवाद के बीच आर्मी चीफ ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सीमा (एलएसी) पर हालात स्थिर जरूर हैं लेकिन सामान्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कहा कि एलएसी पर अब भी स्थिति संवेदनशील है। इंडियन आर्मी की तरफ से थिंक टैंक सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज के सहयोग से आयोजित चाणक्य डिफेंस डायलॉग 2024 के दौरान उन्होंने यह बात कही। आर्मी चीफ ने कहा कि भारत और चीन के इस तनाव के बीच सबसे ज्यादा 'विश्वास' का नुकसान हुआ है। आर्मी चीफ ने कहा कि रणीतिक स्तर पर दोनों ही तरफ से सकारात्मक संकेत मिलते हैं लेकिन जब तक दोनों देश के कमांडर्स नहीं चाहते तब तक इसे जमीन पर उतारना मुश्किल है। उन्होंने कहा, हमें समझन चाहिए कि बीतचीत के स्तर पर हम एक दूसरे को संभावनाएं और विकल्प दिए जाते हैं। लेकिन जमीन पर क्या हातो हा, यह सब सेना के कमांडरों पर निर्भर है। उन्हें ही फैसला लेना होता है। इसलिए आज की स्थिति स्थिर तो है लेकिन सामान्य नहीं कही जा सकती। हालात संवेदनशील हैं। बता दें कि पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच तनाव को बढ़े हुए पांचवां साल है। अब तक सभी मुद्दों का हल निकलने का रास्ता नजर नहीं आ रहा है।

अठारह साल बाद लेबनान में घुसी इजराइली सेना

ग्राउंड ऑपरेशन शुरू, बदले में हिजबुल्लाह ने मोसाद हेडक्वार्टर के पास दागीं मिसाइलें

यरूशलम/बेरूत (एजेंसी)। इजराइल की सेना लेबनान में दाखिल हो गई है। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने मंगलवार सुबह यह जानकारी दी। आईडीएफ ने कहा कि सोमवार रात दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकाने और बुनियादी ढांचे को खत्म करने के लिए सीमा से लगे गांवों में लिमिटेड ग्राउंड ऑपरेशन शुरू किया गया। इजराइली सेना ने कहा कि वे सीमा के नजदीकी गांवों को निशाना बना रहे हैं। यहीं से हिजबुल्लाह, इजराइल पर हमला करता है। आईडीएफ ने कहा कि इस हमले के लिए उनके सैनिकों ने हाल ही में ट्रेनिंग ली थी। इजराइली एयरफोर्स भी इसमें शामिल है। इजराइली हमलों के जवाब में हिजबुल्लाह ने सेंट्रल इजराइल पर हवाई हमले किए हैं। इसमें 2 लोग घायल हुए हैं। हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने फादी-4 मिसाइलों से हर्जलिया में आईडीएफ के ग्लीलॉट बेस को निशाना बनाया।

यहीं पर इजराइली सेना की यूनिट 8200 का ठिकाना और मोसाद का हेडक्वार्टर मौजूद है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, साल 2006 के बाद यह पहली बार है, जब इजराइली सेना लेबनान में घुसी है। तब इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच 33 दिनों तक जंग चली थी। इसमें 1100 से ज्यादा लेबनानी मारे गए थे। वहीं, इजराइल के 165 लोगों की मौत हुई थी। तुर्किये के विदेश मंत्री ने कहा है कि इजराइल की जमीनी कार्रवाई लेबनान की संप्रभुता का उल्लंघन है।

इजराइल लेबनान पर कब्जे की कोशिश कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को तुरंत इस मामले में अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कार्रवाई करनी चाहिए। यह हमला जल्द से जल्द खत्म होना चाहिए। इजराइल और लेबनान में जारी तनाव के बीच लुफ्थांसा एयरलाइंस ने भी इजराइल के लिए अपनी फ्लाइट्स रद्द कर दी हैं।

मंदिर हो या दरगाह बीच सड़क से हटाना ही होगा

बुलडोजर ऐक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुलडोजर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। शीर्ष न्यायालय का कहना है कि जनता की सुरक्षा सबसे पहले है और सड़कों पर किसी भी धार्मिक ढांचे को हटाया जाना जरूरी है। अदालत में मंगलवार को अपराध के आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर एक्शन के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई हो रही थी। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन ने सुनवाई की। अदालत का कहना है कि लोगों की सुरक्षा सबसे ऊपर है। उन्होंने कहा कि चाहे वह मंदिर हो या दरगाह हो सड़क, जलमार्ग या रेल ट्रेक को अवरोध कर रहे किसी भी धार्मिक ढांचे को हटाया जाना जरूरी है। साथ ही अदालत ने इस बात पर भी जोर दिया है कि भारत सेक्युलर देश हैं और बुलडोजर एक्शन को लेकर उसका आदेश सभी नागरिकों के लिए होगा, फिर चाहे वे किसी भी धर्म के हों। बेंच ने कहा, हम सेक्युलर देश हैं। और हमारे निर्देश सभी के लिए होंगे। फिर चाहे वह किसी भी धर्म या समुदाय का हो। मंदिर या दरगाह या गुरुद्वारा, अगर सड़क के बीच कोई धार्मिक ढांचा है तो यह जनता के लिए बाधा नहीं बन सकती। जस्टिस गवई ने कहा, अनधिकृत निर्माणों के लिए एक कानून होना चाहिए।

तिरुपति लड्डू विवाद पर रोकी गई एसआईटी जांच

- आंध्र पुलिस बोली-सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के मुताबिक जांच आगे बढ़ाएंगे

तिरुपति (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) में प्रसादम (लड्डुओं) में जानवरों की चर्बी मामले में विशेष जांच दल जांच रोक दी गई है। राज्य के डीजीपी द्वारका तिरुमाला राव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई चल रही है। अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को होगी, इसलिए तब तक एसआईटी जांच नहीं की जाएगी। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक, ये तय किया जाएगा कि एसआईटी जांच को आगे बढ़ाना है या नहीं। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिन में एसआईटी ने लड्डुओं की खरीद और सैंपलिंग प्रक्रिया की जांच की और यह समझने की कोशिश की कि लड्डुओं में मिलावट कैसे की जा सकती है।

राव ने बताया कि एसआईटी पहले इस प्रक्रिया को समझना और इससे जुड़ी सारी जानकारी इकट्ठा करना चाहती थी, लेकिन इस बीच सुप्रीम कोर्ट का आदेश आ गया। कल सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- एसआईटी को जांच सौंपने के बाद सीएम मीडिया में क्यों गए इस मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।

पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट पर छा रहे संकट के बादल!

बुलेट ट्रेन की डेडलाइन करीब लेकिन जापान ने फंसा दिया है पेच

कई मुद्दों पर गतिरोध,बढ़ती लागत पर भी नहीं बन पा रही सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट खटाई में पड़ता दिख रहा है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच बन रहे बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर जापान और भारत में कई चीजों पर गतिरोध बना हुआ है। द हिंदू की एक रिपोर्ट के मुताबिक रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अगुवाई में अधिकारियों की एक टीम हाल में जापान के तीन दिन के दौरे पर गई थी। सूत्रों के मुताबिक इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई। जापान चाहता है कि इस प्रोजेक्ट के लिए ट्रेन सेट्स और सिग्नेलिंग सिस्टम की खरीदारी उसकी कंपनियों से की जाए। साथ ही प्रोजेक्ट का कॉस्ट और इसे पूरा करने की टाइमिंग को लेकर भी दोनों पक्षों में एक राय नहीं है। सरकार ने 2027 में मुंबई से अहमदाबाद के बीच बुलेट ट्रेन चलाने का लक्ष्य रखा है। सूत्रों की मानें तो वैष्णव के साथ रेलवे बोर्ड के मेंबर (इन्फ्रास्ट्रक्चर) अनिल कुमार खंडेलवाल, और नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के एमडी विवेक कुमार गुप्ता भी जापान गए थे। प्रधानमंत्री मोदी इस साल के आखिर में सालाना शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए टोक्यो जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि 508 किमी लंबे बुलेट प्रोजेक्ट के लिए गुजरात और महाराष्ट्र में भूमि अधिग्रहण का काम पूरा हो चुका है। 215 किमी वायडक्ट का काम भी पूरी हो चुका है लेकिन रोलिंग स्टॉक यानी ट्रेन सेट और सिग्नल सिस्टम सप्लाई करने की कॉस्ट को लेकर भारत और जापान के बीच गतिरोध बना हुआ है।

नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में एक कमजोर पीएम हैं, खत्म हो जाएगी नीतीश की पार्टी: प्रशांत किशोर

बिहार में बीजेपी का कोई भविष्य नहीं

पटना,एजेंसी। राजनीतिक सलाहकार और जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर 2 अक्टूबर को राजनीतिक पार्टी लॉन्च कर रहे हैं। इससे पहले वो लगातार कई तरह के दावे कर रहे हैं। वो जेडीयू, आरजेडी समेत बीजेपी पर हमलावर हैं।

सोमवार को न्यूज एजेंसी एएनआईको दिए इंटरव्यू में प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में एक कमजोर पीएम हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की ताकत और लोकप्रियता गिरी है।

प्रशांत किशोर बोले कि मैंने चुनाव से पहले ही कहा था, वो जितनी भी सीटें ले आएं, अपने तीसरे कार्यकाल में वो कमजोर साबित होंगे, क्योंकि 10 साल में लोगों ने उनके काम देखे हैं। पीके ने वहीं एक बार फिर से बिहार के सीएम नीतीश कुमार और उनकी पार्टी पर निशाना साधा है। पीके ने कहा है कि जब जेडीयू दल ही नहीं रहेगा तब जेडीयू का उत्तराधिकारी कौन होगा मैं नीतीश कुमार के दल में रहा हूं उनके साथ मैंने काम भी किया है।

उस दल की पूरी पूंजी नीतीश कुमार हैं जब वही खत्म हो गई हो तो ब्याज से कैसे चलेगा उस दल का कोई भविष्य नहीं है। बिहार में अधिकारियों का जंगलराज है। नीतीश कुमार ने पिछले कुछ सालों में पूरी व्यवस्था अपने 2-4 सलाहकारों के हाथ में कर दी है। बिहार को नीतीश कुमार ने अधिकारियों के हवाले कर दिया है। नीतीश कुमार ने पिछले 4 महीने में कोई बयान तक नहीं दिया। उनके चार सलाहकार उन्हें घेर कर ले जाते हैं और लेकर चले आते हैं। पब्लिक डोमेन में कोई बयान तक नहीं आता।

शराबबंदी, जमीन सर्वे और स्मार्ट मीटर

पीके ने कहा कि बिहार में शराबबंदी, स्मार्ट मीटर और फिर जमीन सर्वे। ये तीन स नीतीश सरकार के ताबूत में आखिरी कील साबित होंगे। शराबबंदी के बाद 20 हजार करोड़ का नुकसान हो रहा है। जबकि सच्चाई है कि शराब की होम डिलीवरी हो रही है। स्मार्ट मीटर से गांव के लोग परेशान हैं। वहीं लोगों से जबरन जमीन सर्वे कराने को कहा जा रहा है। इन मसलों पर किसी से राय नहीं ली गई।

बिहार में बीजेपी का कोई चेहरा नहीं

जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा कि आने वाले 2-2.5 साल में जो 9 राज्यों के चुनाव हैं उसके परिणाम अगर भाजपा के खिलाफ हुए तो निश्चित तौर पर सरकार(केंद्र) की स्थिरता को लेकर सवाल उठेंगे, अगर इन राज्यों में भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया तो उनकी सरकार बनी रहेगी।

बिहार में भाजपा का न कोई प्रयास है, न चेहरा है। उन लोगों ने अपना नेतृत्व नीतीश कुमार के हवाले छोड़ दिया है जबकि भाजपा का अपना कार्यकर्ता मान रहा है कि नीतीश कुमार के नाम पर चुनाव लड़कर जीत नहीं सकते। भाजपा की मजबूरी है कि वे नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटा नहीं सकते क्योंकि उन्हें केंद्र सरकार चलानी है और उन्हें यह भी पता है कि नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री रहते वे बिहार में चुनाव जीत नहीं सकते।

सीएम का बेटा होने के बाद भी तेजस्वी 9वीं पास नहीं कर पाए

तेजस्वी यादव के हमलों पर प्रशांत किशोर कहते हैं, उन्होंने क्या विश्वसनीयता स्थापित की है, जो मैं सवाल उठाने की कोशिश कर रहा हूं मैंने कहा था कि उनकी (तेजस्वी यादव) की इसके अलावा कोई पहचान नहीं है। लालू यादव का बेटा होने के नाते मैंने कहा कि वह 9वीं फेल है। यह सच है, बहुत से लोग कहते हैं कि कम पढ़े-लिखे लोग भी बुद्धिमान होते हैं, लेकिन अगर आप पढ़े-लिखे नहीं हैं तो बताएं समाज में आपका क्या योगदान है।

पीके ने कहा कि क्षमता का शिक्षा से कोई सीधा संबंध नहीं है, लेकिन अगर आप एक मुख्यमंत्री के बेटे होने के बावजूद 9वीं कक्षा पास नहीं कर पाते हैं, तो यह शिक्षा के प्रति आपकी मानसिकता को दर्शाता है जो यह सोचता है कि उसे पढ़ने की जरूरत नहीं है, वह राज्य की शिक्षा व्यवस्था के लिए क्या करेगा।

राहुल को नेता बनने के लिए लंबा रास्ता तय करना है

राहुल गांधी पर प्रशांत किशोर कहते हैं, कांग्रेस की स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है। राहुल गांधी ने पिछले 1.5-2 सालों में प्रयास किए हैं और उन्हें इसका फायदा भी मिला है। कांग्रेस में उनका नेतृत्व पूरी तरह से स्थापित हो चुका है, लेकिन अब वह देश के नहीं, बल्कि कांग्रेस के नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं। उनकी दादी इंदिरा गांधी को 1977 में अपने जीवन की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। मुझे लगता है कि कांग्रेस ने उस समय 154 सीटें जीती थीं। इसे राहुल गांधी के जीवन की सबसे बड़ी जीत करार दिया जा रहा है और कांग्रेस ने 99 सीटें जीती हैं, तो यह दर्शाता है कि राहुल गांधी को अभी भी नेता बनने के लिए एक लंबा रास्ता तय करना है राष्ट्र।

बिहार को सुधारने का संकल्प

जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा, मेरा प्रयास 2025 से नहीं जुड़ा है। अभी दल बन रहा है। फरवरी मार्च के महीने में दल का एजेंडा, बिहार के विकास का ब्लू प्रिंट और विजन डॉक्यूमेंट जारी होगा। 2025 के अक्टूबर में चुनाव होगा। ये एक महत्वपूर्ण पड़ाव हैं लेकिन यहां पहुंचना सपना नहीं है। सपना है कि एक ऐसा बिहार बने जहां हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात और अन्य राज्यों से लोग आकर रोजगार करें। उतना उन्नत उतना विकसित बिहार बने वो सपना है और उसके लिए प्रयास जारी है।

जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा, मेरा जो बिहार को सुधारने का संकल्प है वो जन सुराज के चुनावी सफलता और विफलता से नहीं जुड़ा है। अगर जन सुराज को चुनावी सफलता मिल भी जाए उससे बिहार सुधर जाएगा ये जरूरी नहीं है। चुनाव जीतना कठिन है लेकिन अच्छे लोगों के साथ चुनाव जीतना ज्यादा कठिन है। मेरी भूमिका है कि जन सुराज ऐसी व्यवस्था बने जो अच्छे लोगों की सही लोगों की व्यवस्था हो। जो जीतकर आए तो सिर्फ विधायक और सांसद बनाने वाली मशीन ना बने, बिहार के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने वाली व्यवस्था बने।

1 करोड़ से ज्यादा लोग जन सुराज की नींव रखेंगे

जनसुराज अभियान के शुरुआत में ही कहा गया था कि बिहार में पिछले 20-25 सालों से विकल्प के अभाव में लोग भाजपा के डर में लालू और लालू के डर से भाजपा को देते रहे हैं, इसके लिए जरूरी है कि बिहार के लोग मिलकर एक बेहतरीन विकल्प बनाएं। 2 अक्टूबर को 1 करोड़ से ज्यादा लोग मिलकर इस दल की नींव रख रहे हैं। 2 तारीख को दल के नाम, संविधान, प्रावधान और नेतृत्व की औपचारिक घोषणा होगी। दल का नेता उसे बनाया जाएगा जिसे समाज ने चुना है। हमारी भूमिका इससे जुड़ी है कि सबसे बड़ी चुनौती क्या है। सबसे बड़ी चुनौती है समाज को बताना, समझाना कि आपने अनाज, मंदिर-मस्जिद के लिए वोट दिया, मोदी, लालू, नीतीश के लिए वोट दिया, अभी तक आपने अपने बच्चों के पढ़ाई और रोजगार के लिए वोट नहीं दिया। उन्हें यह समझाना कि आप अपने बच्चों के लिए वोट दें चाहे किसी को भी दें। यह यात्रा तब तक चलती रहेगी जब तक बिहार के लोग इसे समझ न जाए, इस परिकल्पना से जुड़ न जाएं। मैं जो काम पिछले 2 सालों से कर रहा हूं, वही काम आगे करूंगा।

संक्षिप्त समाचार

मनियारी में विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

मुजफ्फरपुर,एजेंसी। मनियारी थाना क्षेत्र के जमहरुआ गांव में प्रभात रंजन की पत्नी मिंकी कुमारी (26) की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन की। वहीं, शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। मामले को लेकर मिंकी के पिता मोतीपुर सेंदुआरी गंज सिंह निवासी मिश्रीलाल ठाकुर ने थाना में आवेदन दिया है, जिसमें दामाद प्रभात रंजन, सास उमा देवी, ससुर संजय ठाकुर, देवर सुभाष रंजन, ननद अनु कुमारी एवं प्रीति कुमारी को नामजद किया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि पुत्री की शादी 26 अप्रैल 2023 को संजय ठाकुर के पुत्र प्रभात रंजन से कराई थी। शादी के दो महीने बाद बोलेरो की मांग करने लगे। असमर्थता जताने पर बेटी को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। सूचना पर ग्रामीणों के संग बेटी की सुसराल गए। वहां समझा-बुझा कर मामले को शांत कराने की कोशिश की गई, लेकिन वे लोग मानने को तैयार नहीं हुए। सोमवार सुबह करीब छह बजे सूचना मिली मिंकी कुमारी ने गले में फंदा लगा लिया है। थानाध्यक्ष देवव्रत कुमार ने बताया कि आवेदन के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

एमयू कुलपति से मिले पीएचडी के छात्र

गया,एजेंसी। प्री-पीएचडी 2021 का लिखित परीक्षा पास करने वाले छात्र जिनका कोर्स वर्क में नामांकन से अबतक नहीं हो सका है। सोमवार को कुलपति प्रो. एसपी शाही से मुलाकात कर नामांकन के लिए गुहार लगाया है। कुलपति ने छात्रों को आश्वासन दिया है कि जल्द छात्रों की सूची जारी की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में राजेश कुमार, मिथिलेश कुमार, अजीत कुमार सिंह, चंद्रकांत कुमार, सौरभ कुमार व अन्य शामिल रहे।

डीसीएलआर ने की समीक्षा बैठक

हाजीपुर,एजेंसी। महनार डीसीएलआर कार्यालय में बैठक कर डीसीएलआर ने राजस्व विभाग से संबंधित मामलों की समीक्षा की। महनार अनुमंडल क्षेत्र के तीनों प्रखंडों के सीओ, अंचल निरीक्षक आदि के साथ अनुमंडल कार्यालय परिसर में स्थित डीसीएलआर कार्यालय में बैठक कर डीसीएलआर मेघा कश्यप ने अधिकारियों के साथ दाखिल खारिज, परिमार्जन, जमीन के खाता को आधार से लिंक करने पर एवं अभियान बसेरा दो के प्रगति की समीक्षा किया। इस दौरान डीसीएलआर ने अधिकारियों से कहा कि दाखिल खारिज के मामलों का त्वरित्य निष्पादन किया जाए। साथ ही परिमार्जन का भी जो मामला है। उसे सभी पर गंभीरता से कार्य किया जाए।

1000 रुपये में राशन कार्ड बनाने का फर्जीवाड़ा, अहियापुर में एफआईआर

मुजफ्फरपुर,एजेंसी। फर्जी ढंग से जिले में राशन कार्ड बनाने का गोरखधंधा चल रहा है। 1000 रुपये लेकर जिले में किसी भी प्रखंड का राशन कार्ड बना दिया जा रहा है। ऐसी ही एक शिकायत मिलने पर कांटी आपूर्ति निरीक्षक कुमार दीपक ने फर्जीवाड़े में शामिल शातिर का स्टिंग ऑपरेशन किया। उससे राशन कार्ड बनवाने के लिए कुमार दीपक मिले और उसकी ऑडियो व वीडियो रिकॉर्डिंग की। जिसके आधार पर अहियापुर थाने में राशन कार्ड बनाने के फर्जीवाड़ा से जुड़े मुस्ताफापुर गांव के मुन्ना कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। कुमार दीपक ने पुलिस को बताया है कि सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी कमलेश कुमार को फेसबुक पर मुस्ताफापुर का मुन्ना कुमार ने किसी भी प्रखंड में 1000 रुपये में राशन कार्ड बनाने का दावा करते हुए अपना प्रचार डाला था। उसने अपना मोबाइल नंबर भी दिया था। सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने इसका स्क्रीन शॉट भेजा और उक्त मोबाइल नंबर पर संपर्क कर हकीकत जानने का निर्देश दिया। इसके बाद उपभोक्ता बनकर राशन कार्ड बनवाने के लिए कॉल किया गया। उसने कार्ड बनाने या कार्ड में नाम जोड़ने की बात स्वीकार कर ली। इसके बाद प्रखंड आपूर्ति निरीक्षक मुस्ताफापुर में उसकी पूजा स्टेशनरी एवं जनरल स्टोर पर पहुंचे। यहां भी उन्होंने मोबाइल को रिकॉर्डिंग मोड में डालकर उससे बात की। इसके बाद उन्होंने अहियापुर पुलिस को मामले की सूचना दी और थाना में उसके खिलाफ राशन कार्ड फर्जीवाड़े को लेकर एफआईआर दर्ज कराई है।

युवक ने ऑनलाइन गेम की लत में किया सुसाइड 7 लाख रुपए गेम में हारा, 3 लाख का था कर्ज

नालंदा ,एजेंसी। नालंदा में रविवार को एक युवक ने ऑनलाइन जुआ और ब्राउन शुगर की लत में सुसाइड कर लिया। युवक पर 3 लाख रुपए का कर्ज था। 7 लाख रुपए वो ऑनलाइन जुआ में हार चुका था। इसी टेंशन और गेम की लत में उसने आत्महत्या कर ली। इस मामले में परिजन का कहना है कि अगर शराबबंदी नहीं होती तो उसे ब्राउन शुगर की लत नहीं लगती। परिजनों ने थाने में इसकी जानकारी नहीं दी है। मृतक की पहचान स्वर्ण व्यवसायी संतोष कुमार के बेटे गौरव कुमार(25) के रूप में की गई है।5 साल पहले गौरव ने पटना की लड़की से लव मैरिज की थी। इसे लेकर वो दिल्ली चला गया था। वहां, 3.5 साल तक पत्नी के साथ रहा। इसके बाद 1.5 साल पहले वो घर नालंदा लौटा। वहीं, पत्नी पटना में रहने लगी। स्थानीयों का कहना है कि गौरव के परिजन लड़की को पसंद नहीं करते थे, इसी वजह से वो पटना में रह रही थी।

दादा ने दुकान खोलने के लिए दी थी 6 लाख की पूंजी : गौरव के दादा देवेंद्र प्रसाद ने बताया कि दिल्ली से जब वो वापस नालंदा आया तो काम ढूंढने लगा। हमें इसकी जानकारी मिली तो हमने उसकी मदद की। उसे 6 लाख रुपए की पूंजी देकर लालगंज चण्डी के पास गणेश ज्वेलर्स नाम से शॉप खुलवाया। इसमें वो अपने पिता के साथ हर दिन जाया करता था। 1 साल तक सब कुछ ठीक रहा। अचानक उसकी दोस्ती गलत लोगों के साथ हो गई। इसकी वजह से वो ऑनलाइन जुआ खेलना सीख गया। इस कारण धीरे-धीरे वो शॉप बहुत कम जाने लगा। 3 महीने पहले उसे जुआ के साथ-साथ ब्राउन शुगर की भी लत लग गई। इसकी वजह से अक्सर वो अपने कमरे में बंद रहने लगा था। हमलोग शॉप जाने का कहते तो लड़ने लगता था। वो हर समय अपने मोबाइल में ऑनलाइन जुआ और ब्राउन शुगर लेने लगा था। जुआ में अब तक वो 7 लाख रुपए हार चुका था। करीब 3 लाख का उस पर कर्ज था। इसी सब की वजह से उसने अपना जीवन बर्बाद कर दिया।

शराबबंदी के कारण ब्राउन शुगर का बढ़ा कारोबार : गौरव के पिता संतोष कुमार ने बताया कि जब से शराबबंदी हुई है, तब से ब्राउन शुगर समेत अन्य नशे का कारोबार बढ़ गया है। 3 महीने पहले गौरव ने ब्राउन शुगर का सेवन करना शुरू किया था। जब भी वह नशे की हालत में घर आता था, तो उसका एक अलग ही रूप देखने को मिलता था। नशे की हालत में झगड़ा करना उसका हर दिन का काम हो गया था।

पत्नी नहीं रहती थी साथ : लव मैरिज शादी करने के बाद गौरव अपनी पत्नी को लेकर कभी घर नहीं आया था। हालांकि, इस बात की चर्चा है कि घर वाले गौरव की पत्नी को रखना नहीं चाह रहे थे। यही वजह थी कि गौरव जब दिल्ली से वापस आया था तो अक्सर वो अपनी पत्नी से फोन पर ही बात करता था। कभी-कभी पटना मिलने आ जाया करता था।

थाना से 100 मीटर दूर लगता है नशेड़ियों का जमावड़ा

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि थाना से 100 मीटर की दूरी पर खेल परिसर है। वहां पर बने सीढ़ियों के नीचे नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। हाल के दिनों में चण्डी क्षेत्र में ब्राउन शुगर और सुलेशन सूंघने वालों की संख्या बढ़ी है।

क्या बोले थाना अध्यक्ष

चण्डी थाना अध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि अभी तक परिजनों ने आवेदन नहीं दिया है। प्रथम दृष्ट्या जांच में यह बात सामने आई है कि युवक ने लव मैरिज शादी की थी। वह अपनी पत्नी के साथ नहीं रह रहा था। जहां तक खेल मैदान के अंदर नशीले पदार्थों के रैपर मिलने का मामला है, तो उन्हें इस बात का पता नहीं है। पुलिस लगातार नशा के खिलाफ अभियान चला रही है। आवेदन मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

चिराग बोले, पप्पू यादव ने दल से उठकर राजनीत की:दिवंगत पिता को दी श्रद्धांजलि

पूर्णिया,एजेंसी। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के पिता का 17 सितंबर को निधन हो गया था। शहर के रंगभूमि मैदान में 29 सितंबर को प्रार्थना सभा हुआ था। इसमें झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन समेत कई बड़े राजनीतिक चेहरे शरीक हुए। वहीं, सोमवार को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान सांसद पप्पू यादव से मिलने पूर्णिया पहुंचे। सांसद पप्पू यादव से गले मिलकर उन्हें सांत्वना दी। सांसद के पिता को श्रद्धांजलि दी। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और सांसद पप्पू यादव के बीच करीब 45 मिनट तक बातचीत हुई। इस दौरान पप्पू यादव ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान से पिता से जुड़ी बचपन की यादें साझा की। सांसद से मुलाकात के बाद चिराग पासवान ने कहा कि जिस तरीके से सांसद पप्पू यादव के यह दुखद घटना घटी। इससे मैं बेहद मर्माहत हूं। पप्पू यादव के साथ मेरे पुराने और पारिवारिक संबंध रहे हैं। पप्पू यादव ऐसे नेताओं में रहे हैं, जिन्होंने हमेशा से दलगत राजनीत से ऊपर उठकर राजनीति की।

पप्पू यादव ने हमेशा से व्यक्तिगत रिश्तों को निभाया : चिराग ने कहा कि पप्पू यादव ने हमेशा से व्यक्तिगत रिश्तों को निभाने का काम किया है। मैं उनकी भावना को बेहतर समझ सकता हूं। पिता का साया जब सिर से उठता है, तो हमेशा के लिए खालीपन रह जाता है। ऐसे में आज पूर्णिया आना और गले मिलना न सिर्फ उस अहसास का आदान-प्रदान है। बल्कि गले मिलकर दोनों ने एक दूसरे के दूखों को बांटा है। मुझे कल ही आना था, लेकिन थोड़ी सी कंफ्यूजन के कारण मैं नहीं आ सका। आज लंबी दूरी तय कर में पटना से पूर्णिया आया हूं। यहां मैं अपनों के बीच अपनों का दुख बांटने आया हूं। बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट को लेकर उन्होंने कहा कि हमेशा से फूड प्रोसेसिंग का जिक्र किया है। अक्सर ऐसे मुद्दे उठाते रहे। उसी की का नतीजा रहा कि मुझे इसी से संबंधित विभाग का कार्य करने के लिए दिया गया है। सीमांचल ही नहीं पूरे बिहार के लिए कोई ऐसी बड़ी योजनाएं हैं जिन्हें जल्द धरातल पर उतरते देखा जा सकेगा।

एआईएसएफ के सम्मेलन में कमेटी का हुआ चुनाव

हाजीपुर,एजेंसी। प्रखंड के चांद सराय गांव स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में एआईएसएफ के अंचल परिषद के छात्र सेमिनार सह सम्मेलन का आयोजन किया गया। अध्यक्षता दर्शन कुमार व संचालन कमेटी के सचिव विकास कुशवाहा ने किया। सम्मेलन के प्रारंभ में शहीद-ए-आज़म वीर भगत सिंह के जयंती पर उनके चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। मौके पर वक्ताओं ने संगठन का गौरवशाली इतिहास पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि एआईएसएफ भारत का पहला छात्र संगठन है। जिस आजादी के आंदोलन में भाग लेने का गौरव प्राप्त है। सम्मेलन के प्रतिनिधि सत्र में सर्वसम्मति से विद्यानंद कुशवाहा को सचिव दर्शन कुमार को अध्यक्ष निशा कुमारी एवं शिशु कुमारी को उपाध्यक्ष सोनाली कुमारी एवं सूरज कुमार को संयुक्त सचिव एवं भरत कुमार को कोषाध्यक्ष बनाया गया। मौके पर एआईएसएफ के राज्य उपाध्यक्ष मोहित पासवान, जिलाध्यक्ष प्रकाश कुमार, उत्तम ठाकुर, प्रो अमीय कुमार सिंह, आनंद कुमार चौधरी, प्रमोद कुमार चौधरी, राजकिशोर कुमार आदि उपस्थित थे।

कट्टा लेकर स्कूल पहुंच गया 9वीं का छात्र, पकड़े जाने पर पुलिस को चमका देकर फरार, अब हो रही तलाश

गया,एजेंसी। गया जिले के शेरघाटी के चेरकीडीह हाई स्कूल में सोमवार को नौवीं कक्षा का एक छात्र स्कूल में देसी कट्टा लेकर पहुंच गया। इस दौरान छात्र से कट्टा छीनकर क्लास के दूसरे बच्चों और स्थानीय लोगों ने पुलिस के सुपुर्द कर दिया था। हालांकि छात्र पुलिस व ग्रामीणों को चकमा देकर भागने में सफल रहा। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शेरघाटी के थानेदार अजीत कुमार ने बताया कि चेरकीडीह हाईस्कूल में नौवी कक्षा के एक छात्र के पास से देसी कट्टा मिलने की जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने हथियार और आवेदन पुलिस को दिया है। पुलिस के पहुंचने के पूर्व बच्चा वहां से भाग गया था। विद्यालय के वर्ग शिक्षक प्रभाकर कुमार ने बताया कि जब वह बच्चों को क्लासरूम में पढ़ा रहे थे, उसी समय गांव के कुछ लड़के हल्ला करते हुए क्लास रूम में घुस गए और बच्चे को उसके बैग के साथ लेकर बाहर चले गए। बाद में स्कूल के बाहर बताया गया कि बच्चे के बैग में कट्टा रखा था। ग्रामीणों ने खुद पुलिस को फोन कर बताया और उसे उनके हवाले कर दिया। विद्यालय के हेडमास्टर ट्रेनिंग के लिए पटना गए हुए थे। इधर शेरघाटी के बीआरपी अभय कुमार ने बताया कि चेरकीडीह हाइ स्कूल में ही सीआरसी केंद्र भी है। वहां छात्रों की परीक्षा का मूल्यांकन चल रहा था। जब वह विद्यालय पहुंचे तो ग्रामीणों की भीड़ जुटी थी और पुलिस भी मौजूद थी। यह पता नहीं चला कि बच्चे के बैग से देसी कट्टा क्लास रूम के भीतर या स्कूल के बाहर मिला। बता दें कि बिहार में पिछले दो महीने के भीतर छोटे बच्चे द्वारा स्कूल में हथियार लेकर आने की यह दूसरी घटना है। इससे पूर्व गत 31 जुलाई को सुपौल के त्रिवेणीगंज के एक स्कूल में छह साल के बच्चे के पास मौजूद पिस्तौल से गोली चलने के कारण तीसरी कक्षा का एक छात्र घायल हो गया था।

गया में 8 देशों से पहुंचा विदेशी पिंडदानियों का समूह, बेदियों पर पिंड चढ़ाकर की पूर्वजों की मुक्ति की प्रार्थना

वाराणसी होते पहुंचे अलग-अलग देशों के 12 तीर्थयात्री

गया,एजेंसी। पितरों के महाकुंभ में पूर्वजों का पिंडदान करने के लिए 8 देशों से विदेशी पिंडदानियों का एक समूह सोमवार की सुबह श्री विष्णुपद स्थित देवघाट के फल्गु तट पर पहुंचा। करीब 12 की संख्या में विदेशी पिंडदानियों ने एक दिनी (फल्गु, विष्णुपद व अक्षयवट वेदी) का श्राद्ध किया। कर्मकांड पूरा करने के बाद पिंड को संबंधित बेदियों पर चढ़ा कर पूर्वजों की मुक्ति के लिए प्रार्थना की। विदेशी तीर्थयात्री भगवान शिव की नगरी वाराणसी से होते हुए भगवान विष्णु की नगरी मोक्ष धाम गयाजी में आए हैं। विदेश से कुल 12 की संख्या में तीर्थ यात्री गयाजी आए हैं।

डीएम ने विदेशी श्रद्धालु का किया स्वागत

विदेशी तीर्थ यात्रियों के समूह में रूस, रसिया, उज्बेकिस्तान, नाइजेरिया, जर्मनी, घाना और अफ्रीका के लोग हैं। सभी ने अपने पुरखों का पिंडदान किया। खास बात यह भी कि सभी विदेशी श्रद्धालु का स्वागत डीएम डॉ. त्यागराजन ने संवाद सदन कार्यालय में किया। इस मौके पर जिला प्रशासन की ओर से उन्हें गंगा जल भेंट किया।

अलग-अलग देशों से आ रहे विदेशी

दास ने बताया कि इस बार 8 देशों से विदेशी पिंडदानी पूर्वजों का श्राद्ध के लिए गयाजी आए है। देवघाट पर ही इन सभी ने तीनों प्रमुख वेदियों पर श्राद्ध किया, साथ ही मोक्षदायिनी फल्गु में तर्पण कर पितरों के मोक्ष की कामना की। उन्होंने बताया कि सभी विदेशी अलग-अलग देशों के रहने वाले है। इसमें रसिया, यूक्रेन, उज्जबेकिस्तान, नाइजेरिया, जर्मनी, धाना और अफ्रीका शामिल हैं। उन्होंने कहा कि देश के साथ-साथ विदेशों में भी पितृपक्ष मेला प्रसिद्ध है। कई विदेशों सनातन संस्कृति से जुड़े है।

बुनकर संघ पिंडदानियों को उचित दर पर उपलब्ध करा रहा वस्त्र

पितृपक्ष महासंगम-2024 के अवसर पर सीताकुंड में पूर्वजों के मोक्ष की कामना लेकर तर्पण और पिंडदान करने बड़ी संख्या में पिंडदानी पहुंच रहे हैं। तीर्थयात्रियों के लिए बुनकर संघ लागत मूल्य पर जय श्री विष्णु गया जी धाम टी-शर्ट, विष्णुधाम प्रिंटेड लेडीज स्टॉल, खादी गमछा, लुंगी, चादर उपलब्ध करा रहा है। तीर्थयात्री और स्थानीय नागरिक बुनकर संघ के स्टॉल से खरीदारी कर रहे हैं। बुनकर संघ के शिविर की सराहना कर रहे हैं। विभिन्न राज्यों से आने वाले पिंडदानियों और गयावासियों ने टी-शर्ट को बेहतर बताया है। अतिथि देवो भव : के तर्ज पर बुनकर संघ ने उचित दर पर स्थानीय स्वदेशी वस्त्र उपलब्ध कराने का सेवा कार्य जारी है। बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण संघ के अध्यक्ष गोपाल प्रसाद पटवा, शिविर प्रभारी प्रकाश राम पटवा, मनोज कुमार और रमेश कुमार सुबह से ही से ही पिंडदानियों को वस्त्र उपलब्ध कराने में जुटे हैं।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान अन्तर्गत कैंप लगाकर यक्षमा रोगियों की हुईं स्क्रीनिंग

- जिले में है 06 हजार 7 सौ 19 टीबी के मरीज

- महात्मा गाँधी के जन्मदिवस पर क्यूब रूट्स फाउंडेशन मेहसी, चकिया, पिपराकोठी, कोटवा के 150 टीबी मरीजों को लेगा गोद
- आम आदमी भी निक्ष्य मित्र बनकर यक्ष्मा मरीजों को छः महीने तक उपलब्ध करा सकते है पोषण पोटली- डॉ. सुनील

बीएनएम। मोतिहारी

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान अन्तर्गत जिले के चकिया प्रखंड अन्तर्गत परसौनी खेम टॉल प्लाजा, चकिया में कैंप लगाकर यक्ष्मा रोगियों की स्क्रीनिंग की जा रहीं है ताकि टीबी मरीजों का समय पर पहचान एवं इलाज कर इसके प्रसार को खत्म किया जा सके एवं जिले को टीबी मुक्त बनाया जा सके। इस सम्बन्ध में जिले के सदर अस्पताल के नोडल चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार ने बताया की स्वास्थ्य विभाग एवं क्यूब रूट्स फाउंडेशन के सहयोग से मंगलवार को स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया है। जिसमें 105 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग दोपहर तक की गईं है। उन्होंने बताया की आज 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जन्मदिवस के अवसर पर क्यूब रूट्स फाउंडेशन के तरफ से मेहसी, चकिया, पिपराकोठी, कोटवा के 150 टीबी मरीजों को गोद लिया जाएगा। उन्होंने बताया की यह जिले की बहुत बड़ी उपलब्धि है की एक साथ इतने टीबी मरीजों के बीच पोषण पोटली का वितरण होगा। इसके लिए वृहत पैमाने पर कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी की जा रहीं है। वहीं क्यूब रूट्स फाउंडेशन के सेफ्टी मैनेजर विवेक सिंह ने बताया की आज अधिकारीयों के पहुंचने के पूर्व ही लिस्टिंग व पोषण पोटली को तैयार कर लिया जाएगा।

आम आदमी भी निक्ष्य मित्र बनकर यक्षमा मरीजों को उपलब्ध करा सकते है पोषण पोटली- डॉ. सुनील कुमार ने जानकारी देते हुए कहा की प्रधानमंत्री निक्षय मित्र योजना चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत जिले के आम नागरिक, जनप्रतिनिधि, गैर सरकारी संस्थान, कॉर्पोरेट संस्थान अपनी भागीदारी निभाते हुए निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें छः माह तक पोषण पोटली के रूप में संतुलित आहार उपलब्ध करा सकते है। वर्ल्ड विज़न इंडिया के प्रतिनिधि जीतेन्द्र कुमार ने बताया की टीबी मरीज आर्थिक रूप से कमजोर होने से संतुलित आहार का सेवन नहीं कर पाते हैं। इसलिए उन्हें सहयोग प्रदान की जानी चाहिए। जिला यक्ष्मा केंद्र के अमरेंद्र कुमार ने कहा की जिले के सभी सरकारी अस्पताल में टीबी की मुफ्त जाँच एवं दवाएं उपलब्ध है। निक्षय मित्र बनने के लिए सबसे पहले communitysupport.nikshay.in पर लॉगिन करना होगा। इसके बाद प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान पर क्लिक करें। फिर निक्षय मित्र रजिस्ट्रेशन फॉर्म पर रजिस्ट्रेशन कर इस अभियान से जुड़ सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के बाद सुविधानुसार निक्षय सहायता के लिए टीबी रोगियों का चयन किया जा सकता है। टीबी की बीमारी से जुड़ी हर तरह की जानकारी के लिए निक्षय हेल्पलाइन नंबर 1800-11-6666 पर या जिला यक्ष्मा केंद्र मोतिहारी से भी संपर्क कर सकते हैं। मौके पर डॉ. सुनील कुमार, अमरेंद्र कुमार, डॉ. चन्दन कुमार, डॉ. जुबेरिया, डॉ. सगीर अशरफ, वर्ल्ड विज़न इंडिया से जीतेन्द्र कुमार, डिस्ट्रिक्ट सुपरवाइजर, अभिमन्यु कुमार दत्ता, मुकुल कुमार व परसौनी खेम टॉल प्लाजा के लोग उपस्थित रहे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर फूड पैकेट व पॉलीथिन किया गया वितरण

बीएनएम। मोतिहारी

बाढ़ प्रभावित परिवारों को मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप हर तरह के सहयोग के लिए जिला प्रशासन कृत संकल्पित है। राज्य सरकार से प्राप्त निर्देश के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज के द्वारा बताया गया है कि जिले के अरेराज अनुमंडल अंतर्गत अरेराज प्रखंड के चार पंचायत नवादा, पिपरा,सरैया एवं चटिया बडहरवा के कुछ वार्ड पूर्ण रूप से तथा कुछ वार्ड आंशिक रूप से बाढ़ प्रभावित हुए हैं। नवादा पंचायत के वार्ड नंबर 01 और वार्ड नंबर 13 आंशिक रूप से जबकि वार्ड नंबर 7,8,9,10,11 और 12 पूर्ण रूप से बाढ़ प्रभावित हो गए हैं। इस पंचायत की 1800 आबादी बाढ़ प्रभावित है। यहां पर 1700 फूड पैकेट एवं पॉलिथीन का सीट का वितरण अभी तक कराया गया है। एसडीओ के द्वारा बताया गया कि पिपरा पंचायत में 550, सरैया में 900 तथा चटिया बरहरवा में 350 की आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। पिपरा में एक नाव तथा सरिया में एक नाव का परिचालन कराया जा रहा है। बाढ प्रभावित लोगों में फूड पैकेट एवं पॉलीथिन शीट्स का वितरण कर दिया गया है। अभी फूड पैकेट का वितरण किया जा रहा है और देर शाम तक 1000 अतिरिक्त फूड पैकेट का वितरण और किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक फुड पैकेट में ढाई किलो चूड़ा, 500 ग्राम चीनी, 1 किलो चना, मोमबत्ती एवं माचिस का पैकेट दिया गया है। ऊंचे स्थान पर आने वाले लोगों को रात्रि में कोई परेशानी नही हो इसके लिए जनरेटर की व्यवस्था की गई है। वहां मेडिकल टीम भी लगाई गई है। बाढ़ प्रभावितों पर प्रशासन पूरी तरह नजर बनाए हुए हैं ताकि उनको कोई परेशानी न हो सके। अंचलाधिकारी अरेराज ने बताया कि नवादा और सरैया पंचायत में सामुदायिक रसोई की व्यवस्था भी कराई जा रही है।

बेतिया के पास पीडी रिंग बांध ध्वस्त, ग्रामीण भयभीत हुए

बीएनएम। मोतिहारी

पश्चिम चंपारण जिला मुख्यालय से 12 किलोमीटर की दूरी पर पीडी रिंग बांध टूटने से अफरा तफरी मच गई है। करीबन 11 बजे रात में बैरिया ब्लॉक के नीतीश नगर के पास पाटजिरवा-डुमरिया रिंग बांध गंडक नदी के तेज बहाव में ध्वस्त हो गया । बांध टूटते ही आसपास के गांव में भगदड़ मच गई। लोग अपने सामानों को समेट ऊंचे ऊंचे स्थान पर रखने लगे। वही ध्वस्त हुए बांध के पास हजारों की संख्या में लोग पहुंच गए। अभियंताओं को खोजने लगे। परंतु कोई अभियंता घटनास्थल पर मौजूद नहीं था। लोगों ने जमकर हंगामा किया। जबकि नदी का पानी बांध टूटने से रनहा, बिन टोली, लाल टोला नीतीशनगर, पखनाहा, जगीराहा, सिंगही समेत दर्जनों गांव की ओर तेजी से फैलने लगा। लोगों ने ट्रैक्टर पर सामानों को लादकर सुरक्षित स्थान पर ले जाने में जुट गए। इस बांध के टूटने से चंपारण तटबंध और पुडी रिंग बांध के बीच बसे दर्जनों गांव पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है । गंडक नदी का पानी अब तेजी के साथ खेतों में लगे फसलों को डुबोते हुए गांव को भी अपने चपेट में लेने लगी है। पीडी रिंग बांध और चंपारण तटबंध के बीच दर्जनों गांव में बाढ़ का पानी घुसने लगा है। लोग अपने घरों के सामानों को ऊंचे ऊंचे स्थानों पर सुरक्षित रखने में जुटे हुए हैं। जबकि ध्वस्त हुए पीडी रिंग बांध को लेकर लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि प्रशासन की लापरवाही से आज बंद ध्वस्त हो गया है। जिससे दर्जनों गांव बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं। लोगों ने बताया कि फ्लड फाइटिंग के नाम पर लूट का शॉट किया गया है। जिसका ही परिणाम है कि आज पीडी रिंग बांध ध्वस्त हुआ है। साइक्लो फीट की लंबाई में बांध टूट गया है।

दुर्गा पूजा को लेकर थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

बीएनएम। तुरकौलिया

दुर्गा पूजा को लेकर थाना परिसर में मंगलवार को शांति समिति की बैठक थानाध्यक्ष सुरेश यादव की अध्यक्षता मे हुई। जहां थाना क्षेत्र के सभी पंचायतों से आए हुए जनप्रतिनिधि व गणमान लोगों ने बैठक में भाग लिये। साथ ही पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर इनसे सुझाव भी लिया गया। बैठक में सीओ संतोष कुमार ने कहा कि सभी दुर्गा पूजा पंडाल में डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। पूजा आयोजन कमिटी को लाइसेंस लेना अनिवार्य है। असमाजिक तत्वों पर नजर रहेगी। किसी भी परिस्थिति में डीजे बजाने वाले को बख्शा नही जाएगा। पकड़े जाने पर एफआईआर दर्ज कर उचित कार्रवाई की जायेगी। वही बैठक में सर्किल इंस्पेक्टर अरशद रजा, बीडीओ प्रियंका कुमारी, थानाध्यक्ष सुरेश यादव, एसआई रामप्रवेश सिंह, मुखिया सुनील टाइगर, अशरफ आलम, शंभू श्रीवास्तव, विनय कुमार, पूर्व मुखिया अवधकीशोर सिंह, कमरूजम्मा, पंचायत समिति सदस्य ईद महमद देवान, अशोक यादव, अमेरिका हाजरा, सागर कुमार पटेल, अनिल पासवान, अशरफी महतो, अनीस आलम, सरपंच मनोज कुमार, पुणदेव सहनी, अजमल कमाल आदि मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों का देखभाल की ली गई प्रतिज्ञा

बीएनएम। मोतिहारी

मंगलवार को जिला अंतर्गत सभी बुनियाद केन्द्रों एवं प्रखंड कार्यालयो में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान का भाव रखने एवं उनकी देखभाल हेतु प्रतिज्ञा ली गयी। उक्त के अतिरिक्त वृद्धजनों के अनुभव एवं योगदान को साझा एवं सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उज्वल दृष्टि योजना अंतर्गत इच्छुक एवं पात्रता पूर्ण करने वाले वरिष्ठ नागरिकों कों आँख जाँचकर कर चश्मा का वितरण किया गया। सभी वरिष्ठ नागरिकों को माता-पिता भरण पोषण अधिनियम, बुनियाद केन्द्र द्वारा प्रदत सुविधाओं, सहायक उपकरण से संबंधित पात्रता के बारे में भी अवगत कराया गया तथा जिला में नगर निगम द्वारा संचालित वृद्धाश्रम की भी जानकारी प्रदत्त की गयी। वरिष्ठ नागरिकों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एक नई उम्मीद की कामना की गयी। उक्त समारोह में सभी वरिष्ठजन को स्वच्छता ही सेवा कैंपेन के तहत शपथ कराया गया ताकि एक स्वस्थ एवं स्वच्छ वातावरण का निर्माण हो सके।

अंत में सभी को शॉल से सम्मानित करते हुए दीर्घायु होने की कामना की गयी। उक्त अवसर पर सभी प्रबंधक, बुनियाद केन्द्र, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा/दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं बाल संरक्षण इकाई के साथ अन्य जिलास्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

स्मार्ट मीटर के खिलाफ राजद कार्यकर्ताओं ने दिया धरना

बीएनएम। केसरिया

राजद कार्यकर्ताओं ने पार्टी के राज्यव्यापी आह्वान पर मंगलवार को विद्युत स्मार्ट मीटर के खिलाफ प्रखण्ड कार्यालय के समक्ष एकदिवसीय धरना दिया। धरना को संबोधित करते हुए राजद राज्य परिषद सदस्य अवधेश यादव ने कहा कि विद्युत उपभोक्ताओं के घर बलपूर्वक स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है। निजी कंपनियों को फायदा पहुँचाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। स्मार्ट मीटर की वजह से उपभोक्ताओं को अधिक बिल चुकाना पड़ रहा है। जिससे गरीब उपभोक्ता आर्थिक दोहन का शिकार हो रहे हैं। धरना को अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्मार्ट मीटर लगाए जाने को लेकर बिहार सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। साथ हीं स्मार्ट मीटर की जगह पुराने पद्धति का मीटर लगाने की मांग की। ताकि उपभोक्ता आर्थिक बोझ से बच सकें। धरना की अध्यक्षता पार्टी के किसान मोर्चा के प्रखण्ड अध्यक्ष चंदेश्वर राय व संचालन प्रखण्ड महासचिव अशफाक खान ने की। मौके पर पार्टी नेता तौकीर अहमद, महासचिव अमरेंद्र यादव, प्रमोद यादव, महासचिव प्रमोद रजक, राजन यादव, नगर अध्यक्ष चंदन श्रीवास्तव समेत कई लोग मौजूद थे।

रामगढ़वा। बिहार प्रदेश के आह्वान पर राजद ने स्मार्ट बिजली मीटर के विरोध मे रामगढ़वा प्रखंड कार्यालय पर धरना दिया। यह धरना प्रखंड अध्यक्ष मो मूसा आलम के नितृत में यह कार्यकर्म हुवा साथ राजद के कई नेताओं ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक शशिभूषण सिंह ने स्मार्ट बिजली मीटर का विरोध करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार गरीब विरोधी है और स्मार्ट मीटर लगाकर गरीबों का खून चूसने का काम कर रही है। राजद इनके मंसूबे को सफल होने नहीं देगा। वही इन्होंने कहा की राजद इस लड़ाई को अंतिम सांस तक लड़ती रहे गी। मौके पर मुखिया नेजामुल हक, प्रेम चन्द्र यादव, जयकिशोर यादव, जेपी यादव, मंटू सिंह, अमित सिंह, नंद किशोर यादव, मो जेड अहमद, सहित सभी राजद कार्यकर्ता मौजूद थे।

तुरकौलिया। राजद कार्यकर्ताओं ने स्मार्ट मीटर को लेकर राजद प्रखंड कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अजय यादव ने किया। धरना प्रदर्शन में बिहार सरकार के खिलाफ नारा लगाते सभी राजद नेता नजर आ रहे थे। धरना को संबोधित करते हरसिद्धि के पूर्व विधायक राजेंद्र कुमार राम ने कहा कि जब से स्मार्ट मीटर उपभोक्ता के घर लगाया गया है तब से जनता काफी परेशान है। बिजली बिल भी ज्यादा आने से लोग और भी परेशान हो गए है। यह मीटर नहीं बल्कि चीटर है। खासकर गरीब लोगों का पाकेट मारी की जा रही है। जब तक सरकार इसे वापस लेने का फैसला नही करेगी तबतक राजद द्वारा विहार के कोने-कोने में इसके विरुद्ध आंदोलन चलता रहेगा। धरना में पूर्व विधायक राजेंद्र राम, राजदेव यादव, भोला साह तुरहा, कमरूजमा, विजय कुमार रंजन, ईद महम्मद देवान, अनीश आलम, विजय राम, रघुबर साह, चंदन कुशवाहा, प्रिंस कुमार आदि मौजूद थे।

हरसिद्धि। प्रखण्ड मुख्यालय में बिजली स्मार्ट मीटर के विरुद्ध में मंगलवार को राजद कार्यकताओ के द्वारा एक दिवशीय धरना- प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखण्ड अध्यक्ष कामेश्वर राम और संचालन मोहन लाल साहनी ने किया। कार्यक्रम को संबोघित करते हुए। पूर्व विधायक राजेन्द्र कुमार राम ने बताया कि नीतीश सरकार ने गांव को स्मार्ट सिटी बनाने के बदले हर घर में स्मार्ट चीटर लगाया, जिससे आम लोग ठगी के शिकार हो रहे है। स्मार्ट मीटर जिसके घर में लगे है उनकी नीद हराम हो गयी है आज पांच सौ की रिचार्ज किया जाता है। परन्तु, कल होकर बैलेंस जीरो बता रहा है। सैकड़ों गरीबो का बिजली बिल पचास हजार तक आया है। कार्यकम को नयन कुशवाहा, राजेन्द्र यादव, नागेंद्र राम, अवनीश यादव, मंदीप यादव, रमाकान्त शर्मा सरफराज राय, हरेन्द्र बैठा, सुनील कुमार मौर्य आदि लोगो ने सम्बोधित किया। धरना प्रदर्शन के बाद प्रखण्ड विकास पदाधिकरी मनोज कुमार पासवान को ज्ञापन दिया गया। मौके पर सैकड़ों राजद कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस नेता अनवर आलम अंसारी को आचार संहिता उलंघन मामले में न्यायलय ने किया बरी

बीएनएम। तुरकौलिया। कांग्रेसी नेता अनवर आलम अंसारी को आचार संहिता उलंघन मामले में न्यायलय ने बरी कर दिया है। जिससे कांग्रेसजनों में खुशी की लहर है। अनवर आलम अंसारी तुरकौलिया सेमरा टोला के निवासी हैं। जो वर्तमान में मोतिहारी बलुआ चौक अपने निवास पर रहते हैं। आचार संहिता का मुकदमा आदापुर में विगत वर्ष 2005 में दर्ज हुआ था। जिसका केस नंबर 21/2005 है। आचार संहिता का मुकदमा उस समय दर्ज किया गया था जब श्री अंसारी आदापुर विधान सभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में उतरे थे। उसी दौरान इनके उपर आचार संहिता का मुकदमा दर्ज किया गया था। जहां सोमवार को माननीय नेहा नैयर मैडम के न्यायालय द्वारा सुनवाई करते हुए कांग्रेसी प्रत्याशी अनवर आलम अंसारी को बा इजज्त बरी कर दिया गया। न्यालय से राहत मिलने के बाद श्री अनवर ने न्यापालिका पर भरोसा जताते हुए आभार व्यक्त किया है। साथ ही कहा है कि न्यायपालिका पर उनको पुरा भरोसा था कि एक न दिन उन्हें इंसाफ जरुर मिलेगा। चुनाव के दौरान विपक्षियों के इशारे पर परेशान करने के नियत से साजिशन मुकदमा दर्ज कराया गया था। कांग्रेसी नेता श्री अंसारी के बरी होने पर पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष शैलेंद्र शुक्ल, सीनियर कांग्रेस नेता रत्नेश मणि त्रिपाठी, रविंद्र प्रताप सिंह, सुबोध मणि त्रिपाठी, सुग्रीव तिवारी, विजय कांत त्रिपाठी, दिलनवाज, सत्येंद्र तिवारी, अफरोज आलम, महानगर मोतिहारी के कांग्रेस अध्यक्ष ओसैदुल्लाह खा उर्फ रूमा खान, विहार प्रदेश के अल्पसंख्यक कांग्रेस नेता आबिद हुसैन आदि कांग्रेसियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई भी दिया है।

वृद्धजनों के प्रति सम्मान का भाव रखने व सेवा करने की दिलायी शपथ

बीएनएम। केसरिया। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर मंगलवार को प्रखण्ड कर्मियों व अन्य लोगों को बीडीओ मनीष कुमार सिंह ने वृद्धजनों के प्रति सम्मान का भाव रखने व सेवा करने की शपथ दिलायी। अपने कार्यालय कक्ष में बीडीओ श्री सिंह ने मौजूद सभी कर्मियों को कहा कि कार्यालय आने वाले वृद्धजनों के साथ साथ अपने परिवार व आसपास के ऐसे लोगों का सम्मान करें। यह ऐसी अवस्था है जिस दौर से सभी को गुजरना है। जब तक आप दूसरे को सम्मान नहीं दीजिएगा तब तक सम्मान पाने का उम्मीद नहीं कर सकते। इस लिए सभी वृद्धों का आदर सम्मान करें। मौके पर प्रधान सहायक मिथिलेश कुमार सुमन, प्रखण्ड नाजीर अभय पासवान, पंचायत सचिव सोहन कुमार, निरंजन सहनी, अजीत कुमार, सामाजिक सुरक्षा कोषांग के कार्यपालक सहायक दीपक कुमार, कार्यपालक सहायक अरविंद कुमार, स्वच्छता समन्वयक विशेषर पासवान सहित अन्य मौजूद थे।

शराब के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। केसरिया। थाना पुलिस ने क्षेत्र के दो जगहों से सोमवार की संध्या देशी शराब के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। वहीं तस्करी में प्रयुक्त एक बाइक भी बरामद की है। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि क्षेत्र में शराब तस्करी की सूचना पर दो जगहों परशुराम चौक व दिलावरपुर में कार्रवाई की गई। जहाँ परशुराम चौक से चकिया थाना क्षेत्र के बांसघाट के मुन्ना राय व फुलतकिया के लालमोहन पासवान को पकड़ा गया। इन दोनों के पास से एक बाइक भी बरामद की गई। वहीं दिलावरपुर से धीरज कुमार व प्रमोद ठाकुर को शराब के साथ पकड़ा गया। ये दोनों दिलावरपुर के रहने वाले हैं। गिरफ्तार सभी तस्करों के पास से 25 लीटर देशी शराब बरामद की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार सभी तस्करों को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

बाढ़ से सुगौली प्रखंड के पंचायतों व नगर पंचायत के लोगो का जन जीवन अस्त-व्यस्त

- बाढ़ से प्रखंड के पंचायतों सहित नगर पंचायत बुरी तरह प्रभावित, किसानों की मेहनत पर बाढ़ फेर सकता है पानी
- भारी मात्रा में धान और गन्ने की खेती को हो सकता है नुकसान
- रेलवे कॉलोनी में घुसा बाढ़ का पानी रेलकर्मी परेशान, प्रशासन ने नहीं शुरू किया राहत और बचाव कार्य

बीएनएम। सुगौली

बाढ़ ने प्रखंड के उत्तरी क्षेत्रों के पंचायतों व नगर पंचायत के कई वार्डों में किया जन जीवन अस्त-व्यस्त। मंगलवार की सुबह से बाढ़ का पानी नगर पंचायत के वार्ड एक बाजार विशुनपुरवा सड़क को पार कर गया। वहीं वार्ड तीन तथा छः के सरगम सिनेमा-पाण्डेय टोला होते हुए वार्ड चार स्थित रेलवे क्रासिंग सड़क घुटने भर से अधिक पानी तेज गति से बह रहा है। वहीं पाण्डेय टोला से सुगौली रेलवे कॉलोनी होते हुए स्टेशन पर जाने वाली सड़कों पर भी बाढ़ का पानी घुटने से ऊपर तक बह रहा है। रेलवे जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या एक के उत्तरी तरफ व समीप स्थित रेलवे कॉलोनी के क्वार्टरों में बाढ़ का पानी प्रवेश करने लगा है। सिकरहना नदी के उफान को देखते हुए संभावना जताई जा रही है कि बुधवार की सुबह तक पानी का दबाव लगातार बना रहेगा। जिससे लोगों की परेशानियां बढ़ सकती है। बाढ़ से धान की खड़ी फसल भी डूबने के कगार पर हैं। वहीं गन्ना फसल को भी भारी नुक़सान होने की संभावना जताई जा रही है। बाढ़ के पानी के घरों में घुस जाने से लोग नये आशियाने की ओर विस्थापित होने को मजबूर हैं। वहीं प्रशासन द्वारा अभी तक बाढ़ राहत और सहायता कार्यों को शुरू नहीं किया जा सका है।

सिकरहना नदी के टूटे रिंग बांध का एसडीओ ने किया निरीक्षण

बीएनएम। सुगौली

उत्तरी सुगांव पंचायत के वार्ड नंबर एक में सिकरहना नदी के टूटे रिंग बांध का मंगलवार को सदर एसडीओ स्वेता भारती ने स्थानीय अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों को जन सुरक्षा को लेकर बांध की शीघ्र मरम्मत कराने का निर्देश दिया। जिसके बाद स्थानीय अधिकारी, मुखिया और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से टूटे बांध की मरम्मत तेजी से की जा रही है। मंगलवार शाम तक टूटे बांध की मरम्मत कर पानी के बहाव को रोक दिया जायेगा। निरीक्षण के दौरान एसडीओ के साथ एसडीपीओ, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी और मनरेगा पदाधिकारी के साथ स्थानीय जन प्रतिनिधि मौजूद रहे।उल्लेखनीय है, कि सोमवार को गोडीगांवा के पास सिकरहना नदी का रिंग बांध अचानक टूट गया।जिसके बाद बाढ का पानी गांव में प्रवेश करने लगा। जिसकी सूचना के बाद पूरे जिले में हडकंप मच गया।आनन फानन में मौके पर पहुंचे अधिकारियो ने स्थानीय जनप्रतिनिधियो के साथ मिलकर बांध की मरम्मति शुरू की गयी। स्थानीय ग्रामीणो ने बताया कि उक्त बांध काफी दिनो जर्जर है। लेकिन अधिकारियो ने समय से बांध की मरम्मती नही कराया।जिस कारण पानी के दबाब बांध टुट गया। आक्रोशित ग्रामीणो ने बताया कि एक साल पूर्व मनरेगा विभाग ने बांध की मरम्मती के नाम महज खानापूर्ति की गयी। मौके एसडीओ के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौजूद था। जिनके द्वारा बाढ़ पीड़ितो के बीच आवश्यक जीवन रक्षक दवा का वितरण किया गया।

पूजा पंडाल में महिलाओं के लिए अलग से प्रवेश व निकास द्वार बनायें: एसडीओ

दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

बीएनएम। केसरिया

थाना परिसर में सोमवार को थानाध्यक्ष उदय कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान दुर्गा पूजा आयोजन को लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, पूजा समिति के लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ आवश्यक चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए चकिया एसडीओ शिवानी शुभम ने कहा कि दुर्गा पूजा को लेकर पूजा आयोजन समिति को अनुमति लेनी होगी। डीजे पर सख्ती रहेगी। किसी भी हालत में डीजे नहीं बजेगा। उन्होंने कहा कि आयोजन समिति पूजा पंडाल में सुरक्षा मानक का ध्यान रखते हुए आवश्यक सामग्री रखेंगे। लाइटिंग, सीसीटीवी कैमरा, अग्मिशमन यंत्र सहित अन्य आवश्यक संसाधन सक्रिय रूप से मौजूद रखना है। पूजा पंडाल में महिलाओं के लिए अलग से प्रवेश व निकास द्वार बनायें। ताकि किसी को कोई परेशानी नहीं हो। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। वहीं डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि पूजा पंडाल व क्षेत्र में विधि व्यवस्था को लेकर पुलिस भ्रमणशील रहेगी। अफवाह पर ध्यान नहीं देंगे। अगर क्षेत्र में कोई असामाजिक गतिविधि देखें तो इसकी सूचना पुलिस को दें। त्वरित कार्रवाई होगी। बैठक में बीडीओ मनीष कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक मुनीर आलम के अलावा पूर्व प्रमुख सुमित्रा कुमारी यादव, राजद नेता विनोद गुप्ता, विजय जायसवाल, लोजपा नेता अभय सिंह, सुजीत कुमार सिंह, सुरेंद्र प्रसाद सहित अन्य मौजूद थे। इधर, बिजधरी थाना में भी अपर थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक कर दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की गई।

इंदू केसरिया की प्रखण्ड उपप्रमुख निर्वाचित

बीएनएम। केसरिया

कांटे के मुकाबले के बीच मंगलवार को पश्चिमी सुन्दरापुर की पंचायत समिति सदस्य इंदू देवी केसरिया की प्रखण्ड उपप्रमुख पद पर काबिज हुई। उन्होंने रामपुर खजुरिया की पंसस सह निवर्तमान उपप्रमुख मधु सिंह को एक वोट से पराजित कर जीत दर्ज की। निर्वाचन प्रक्रिया प्रखण्ड सभागार में सभी पंचायत समिति सदस्यों की मौजूदगी में सम्पन्न करायी गई। दरअसल, आठ अगस्त को निवर्तमान उपप्रमुख मधु सिंह पर पंचायत समिति सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव पारित किया था। जिसके आलोक में राज्य निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार मंगलवार को चकिया एसडीओ सह निर्वाची पदाधिकारी शिवानी शुभम, जिला परिवहन पदाधिकारी सह प्रेक्षक निवेदिता व बीडीओ सह कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह की देखरेख में चुनावी प्रक्रिया करायी गई। मौजूद सभी 21 पंसस में से सर्वप्रथम उपप्रमुख पद पर दो उम्मीदवार निवर्तमान उपप्रमुख मधु सिंह व पश्चिमी सुंदरापुर की पंसस इंदू देवी ने आरओ के समक्ष नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल के बाद नाम वापसी के लिए समय दिया गया। लेकिन निर्धारित समय में दोनों में से किसी उम्मीदवार ने नाम वापस नहीं लिया। जिसके बाद बैलेट पेपर से मतदान कराया गया। जिसमें इंदू देवी को 10 व निवर्तमान उपप्रमुख मधु सिंह के पक्ष में नौ वोट पड़े। वहीं दो वोट अवैध घोषित किया गया। जिसके बाद इंदू देवी को उपप्रमुख निर्वाचित घोषित किया गया। इधर, जीत दर्ज करने के बाद नवनिर्वाचित उपप्रमुख इंदू देवी अपने समर्थकों के साथ खुशी का व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रखण्ड प्रमुख आलिया प्रवीण, प्रमुख पति नाज अहमद खान उर्फ पप्पू खान सहित अन्य मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि नवनिर्वाचित उपप्रमुख इंदू देवी सुंदरापुर निवासी भाजपा नेता आनंद सिंह की पत्नी हैं।

वन नेशन, वन इलेक्शन को औपचारिक मंजूरी

भारतीय लोकतंत्र में इस समय मुख्य चुनौती सारे चुनाव एक साथ करा देने की नहीं, बल्कि जो चुनाव होते हैं, उनकी साख कायम रखने की है। ऐसी कई समस्याएं बढ़ती गई हैं, जिनकी वजह से भारतीय चुनावों पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रिय योजना वन नेशन, वन इलेक्शनÓ को औपचारिक मंजूरी दे दी है। इसका अर्थ यह है कि अब सरकार इस योजना को लागू करने की दिशा में काम करेगी। यह कैसे होगा, इसका मोटा खाका रामनाथ कोविंद कमेटी ने बनाया था। उसके मुताबिक लोकसभा चुनाव वाले वर्ष में सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव भी कराए जाएंगे। कोविंद कमेटी ने जब अपनी रिपोर्ट पेश की थी, तब भी इससे ज्यादा स्पष्टता नहीं बनी थी, ना कैबिनेट के हरी झंडी देने के बाद अब इसका पूरा ब्लू प्रिंट उभरा है। इसलिए कहा जाएगा कि अभी तक यह योजना महज एक इरादा ही है। सत्ता पक्ष चाहता, तो महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभाओं के चुनाव भी लोकसभा चुनाव के साथ करवा कर इस योजना को अधिक विश्वसनीय बना सकती था। लेकिन बाकी बातें तो दूर, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव भी नहीं कर जा सके। वैसे भी भारतीय लोकतंत्र में इस समय मुख्य चुनौती सारे चुनाव एक साथ करा देने की नहीं, बल्कि जो चुनाव होते हैं, उनकी साख बहाल करने की है। पहला मुद्दा निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता सुनिश्चित करने का था, जिसमें होनी वाली नियुक्ति प्रक्रिया को पिछले वर्ष सरकार ने मनमाने ढंग से बदल दिया। आम चुनाव के दौरान आयोग का रुख लगातार सवालों के घेरे में रहा। आयोग ने मतदान प्रतिशत बताने में जैसी देर की और बाद में गिरे वोटों की संख्या में जितनी वृद्धि बताई गई, उससे साख का संकट खड़ा हुआ है। चुनाव परिणाम को लेकर जैसे प्रश्न इस बारे उठे, वैसा भारत के चुनावी इतिहास में कभी नहीं हुआ था। इसके अलावा धन का कसता जा रहा शिकंजा चुनावों के प्रातिनिधिक दायरे को लगातार सिकोड़ रहा है। अब इसी पृष्ठभूमि में वन नेशन, वन इलेक्शन योजना सरकार ले आई है। स्वाभाविक है कि सहज गले लगाने के बजाय जनमत का एक बड़ा हिस्सा इसे विरोध भाव के साथ देखेगा। जन विश्वसनीयता और सहमति किसी लोकतंत्र के संचालन की पूर्व शर्त होती हैं। मगर वर्तमान सरकार ऐसे तकाजों की परवाह नहीं करती। फिर उसने वही नजरिया दिखाया है।

सीबीआई और एफबीआई सिर्फ दिखाने के लिए स्वतंत्र

आज देश की प्रमुख जांच एजेंसियाँ केंद्रीय जांच ब्यूरों (सीबीआई) और वित्तीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) सहित रक्षा इकाईयों पर यह एक सामान्य आरोप लगाा जा रहा है, ये सिर्फ दिखाने के लिए स्वतंत्र है, जबकि इन पर पूरा नियंत्रण सरकार का है, इसीलिए यह सामान्य आरोप लगाया जाता है कि सरकारी वित्तीय घपलों की जांच निष्पक्षता के दायरें से बाहर ही रहती है, अब आज का मुख्य सवाल यह है कि इन प्रतिष्ठानों के नाम को स्वतंत्र के साथ जोड़ा गया है, तो इन्हें स्वतंत्रता व न्यायपूर्ण काम क्यों नही करने दिया जाता। पिछले दिनों दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरिवंद केजरीवाल की शराब काण्ड में जमानत पर सर्वोच्च न्यायालय ने जो सरकारी जांच एजेंसियों को लेकर सख्त टिप्पणियां की, उन पर सरकार ने चाहे गौर न किया हो, किंतु देश के हर जागरूक और बुद्धिजीवी नागरिक ने काफी गंभीरता से लेकर उस पर मनन भी किया है और सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियों को आज की सच्चाई से जोड़ा है। आज की एक बड़ी सच्चाई यह भी है कि आज देश को प्रजातंत्र के तीन अंगों में से सिर्फ और सिर्फ न्यायपालिका पर ही भरोसा शेष रहा है, विधायिका व कार्यपालिका के साथ ही चौथे कथित अंग खबर पालिका पर भी भरोसा शेष नही रहा। अब चूंकि पूरे देश को न्याय पालिका पर ही भरोसा रहा है और न्याय पालिका भी इस भरोसे को कायम रखने में जुटी है, तो फिर इन तथाकथित जांच एजेंसियों को सरकारी नियंत्रण से बाहर क्यों नही लाया जा रहा? यहाँ यह भी कटु सत्य है कि सरकार के अधिकांश दुष्कर्म के मामलों की जांच का उत्तरदायित्व भी इन्हीं जांच एजेंसियों को सौंपा जाता है, जिन पर केन्द्र या राज्य में विराजित उन राजनेताओं का नियंत्रण रहता है जो स्वयं इन दुष्कर्मों के सहभागी होते है, अब ऐसी स्थिति में तथाकथित इन स्वतंत्र जांच एजेंसियों से सही न्यायपूर्ण व संवैधानिक जांच की उम्मीद कैसे की जा सकती है, यही मुख्य कारण है कि प्रजातंत्र के किसी भी अंग को सही व उचित न्याय नही मिल पाता और देश के आम नागरिक की खून-पसीनें की कमाई का अधिकांश पैसा इन कथित भ्रष्ट सत्ताधीशों की जेबों में चला जाता है, यही मुख्य कारण है कि आज के युवा वर्ग में राजनीति के प्रति रूझान बढ़ता जा रहा है। ज्.और देश को सकी गाढ़ी कमाई राशि के घपले पर न्याय भी नही मिल पाता क्योंकि जांच एजेंसियाँ इन्हीं भ्रष्टाचारियों के कब्जे में रहती है और यही कारण है कि भ्रष्टाचार का महारोग दिन दूनी-रात चौगुनी गति से महामारी का रूप ग्रहण करता जा रहा है।

लाल बहादुर शास्त्री: भारत उत्थान के वास्तुकार

पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'

लाल बहादुर शास्त्री जी भारतीय राजनीति के एक प्रमुख नेता और एक सादगीपूर्ण व्यक्तित्व के धनी थे, जिनका दृष्टिकोण और नेतृत्व स्वतंत्र भारत के नवनिर्माण में मील का पत्थर साबित हुआ। शास्त्री जी का प्रधानमंत्री काल भले ही संक्षिप्त था, लेकिन उनके नेतृत्व ने देश को कई मोर्चों पर मजबूती प्रदान की। उनकी नीतियाँ, उनके कार्यान्वयन और देश के उत्थान पर उनके वास्तविक प्रभाव को आज भी भारतीय राजनीति और समाज में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। वर्तमान संदर्भ में, शास्त्री जी की नीतियों और उनके कार्यों को पुनः समझना अत्यंत प्रासंगिक है, क्योंकि उन्होंने देश की कृषि, औद्योगिक विकास, और राष्ट्रीय सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया था।

सादगी और दृढ़ संकल्प का प्रतीकः लाल बहादुर शास्त्री का जीवन सादगी और दृढ़ संकल्प का उत्कृष्ट उदाहरण था। उनका व्यक्तित्व उनके नेतृत्व में भी झलकता था। उन्होंने जनता के साथ भावनात्मक संबंध स्थापित किया और उनके हर निर्णय में देशहित सर्वोपरि था। शास्त्री जी का विश्वास था कि देश के विकास में हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। इसी कारण उन्होंने अपनी नीतियों के माध्यम से आम जनता को राष्ट्र निर्माण के कार्य में जोड़ा।

शास्त्री जी की 'जय जवान, जय किसान' नीति : शास्त्री जी की सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली नीति 'जय जवान, जय किसान' का नारा था। यह नारा न केवल एक भावनात्मक अपील थी, बल्कि देश की कृषि और सुरक्षा नीतियों का आधार भी था। वर्ष 1965 में पाकिस्तान के साथ युद्ध और उसके ठीक पहले आए भयंकर अकाल के समय देश को खाद्य संकट और सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। शास्त्री जी ने इस नारे के माध्यम से देश के किसानों और सैनिकों को प्रेरित किया।

उनकी 'जय जवान, जय किसान' नीति का भारत के कृषि और रक्षा क्षेत्र पर गहरा प्रभाव पड़ा। एक ओर उन्होंने किसानों को अधिक उत्पादन के लिए प्रेरित किया और हरित क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया, वहीं दूसरी ओर देश की सुरक्षा के प्रति समर्पण को और मजबूत किया। उनके कार्यकाल में हरित क्रांति की नींव रखी गई, जिसने भारत को खाद्यान्न संकट से उबारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हरित क्रांति और खाद्य सुरक्षा : शास्त्री जी का समय भारत के लिए खाद्यान्न संकट का था। 1965 में भारत को खाद्यान्न के संकट का सामना करना पड़ा, और शास्त्री जी ने इस संकट से निपटने के लिए त्वरित और प्रभावशाली कदम उठाए। उन्होंने देश में खाद्यान्न

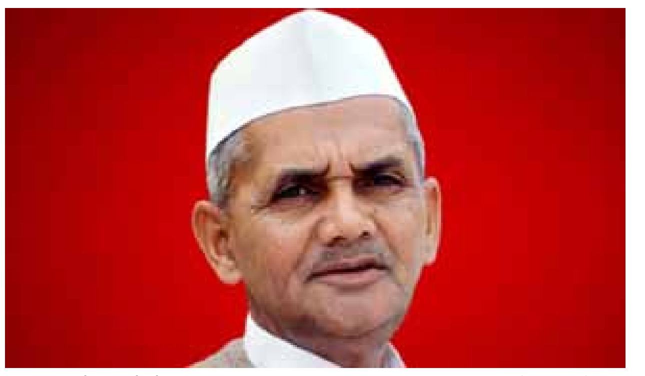

उत्पादन को बढ़ाने के लिए हरित क्रांति की नींव रखी। इस क्रांति के माध्यम से उन्नत कृषि तकनीकों का उपयोग और उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित की गई। शास्त्री जी के नेतृत्व में भारत ने आत्मनिर्भरता की ओर पहला बड़ा कदम उठाया, जिसका प्रभाव लंबे समय तक रहा। शास्त्री जी ने भारतीय कृषि को आधुनिकता की दिशा में अग्रसर किया और कृषि में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। इसके परिणामस्वरूप, भारत धीरे-धीरे खाद्य आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा और आयात पर निर्भरता कम हुई। उनके इस दृष्टिकोण ने भारतीय किसानों के जीवन को सुधारने और देश को खाद्य संकट से मुक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय सुरक्षा और 1965 का युद्धः शास्त्री जी के कार्यकाल के दौरान 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध हुआ। इस युद्ध में उन्होंने अपने नेतृत्व का अद्वितीय प्रदर्शन किया। शास्त्री जी ने न केवल कूटनीतिक स्तर पर बल्कि युद्ध के मैदान में भी पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। उनके दृढ़ नेतृत्व ने भारतीय सेना को मजबूत मनोबल प्रदान किया और देश की रक्षा क्षमता को मजबूत किया।

शास्त्री जी ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उनके द्वारा लिए गए निर्णयों ने भारतीय सेना को आत्मविश्वास से लबरेज किया और देश को एकजुट किया। इस युद्ध के दौरान उन्होंने अपने शांत और संतुलित नेतृत्व से देश को प्रेरित किया, जिसका परिणाम यह हुआ कि भारत ने यह युद्ध जीतने के बाद एक मजबूत राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित की।

आर्थिक नीतियां और औद्योगिक विकास : शास्त्री जी की आर्थिक नीतियों का प्रमुख उद्देश्य भारत को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाना था। उन्होंने औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया और देश के विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि कृषि और उद्योग के बीच संतुलन बना रहे, जिससे देश का समग्र विकास हो सके। शास्त्री जी ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को विशेष महत्व दिया और इनके माध्यम से देश के औद्योगिक विकास की दिशा में कदम बढ़ाया। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि उद्योगों का विकास पर्यावरण के अनुकूल हो और यह देश के सतत विकास के लिए आवश्यक हो। उनके समय में शुरू की गई कई योजनाएं आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था के स्तंभ के रूप में काम कर रही हैं।

शिक्षा और समाज सुधार : लाल बहादुर शास्त्री जी का विश्वास था कि शिक्षा और समाज सुधार देश की समृद्धि के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने और समाज के सभी वर्गों तक शिक्षा पहुंचाने पर जोर दिया। उनके कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में कई सुधार हुए और समाज के पिछड़े वर्गों को मुख्य धारा में लाने के प्रयास किए गए।

शास्त्री जी ने यह सुनिश्चित किया कि महिलाओं और अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों को विशेष शिक्षा योजनाओं के माध्यम से सशक्त बनाया जाए। उन्होंने देश की शिक्षा नीति में ऐसे बदलाव किए, जिससे समाज के कमजोर वर्गों को भी समान अवसर मिल सके। यह उनके समावेशी दृष्टिकोण का ही परिणाम था कि देश में शिक्षा का विस्तार हुआ और समाज सुधार की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए।

आज के संदर्भ में शास्त्री जी की नीतियों की प्रासंगिकता : आज के दौर में, जब भारत विभिन्न आंतरिक और बाहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है, शास्त्री जी की नीतियों का महत्व और भी बढ़ जाता है। उनके समय में कृषि, उद्योग, शिक्षा, और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर जो सुधार किए गए, वे आज भी देश की प्रगति में योगदान कर रहे हैं।

शास्त्री जी के 'जय जवान, जय किसान' नारे को आज भी भारत में प्रेरणा स्रोत के रूप में देखा जाता है। उनकी नीतियां न केवल उस समय की चुनौतियों से निपटने में सहायक रहीं, बल्कि उन्होंने आने वाले समय के लिए भी एक मजबूत नींव तैयार की। उनके द्वारा शुरू की गई हरित क्रांति और औद्योगिक विकास के प्रयास आज भी भारत के विकास के स्तंभ बने हुए हैं।

लाल बहादुर शास्त्री जी का जीवन और उनका योगदान भारतीय राजनीति और समाज के लिए एक प्रेरणास्त्रोत है। उनकी नीतियां और उनके कार्य आज भी हमें यह सिखाते हैं कि सादगी, दृढ़ संकल्प, और जनता के प्रति सच्ची निष्ठा से देश का उत्थान संभव है। शास्त्री जी ने एक साधारण जीवन जीते हुए असाधारण उपलब्धियाँ प्राप्त कीं। उनके द्वारा शुरू की गई नीतियाँ और सुधार आज भी भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

वर्तमान समय में, जब भारत कृषि, शिक्षा, और सुरक्षा के क्षेत्र में नई चुनौतियों का सामना कर रहा है, शास्त्री जी के दृष्टिकोण और उनके नेतृत्व से प्रेरणा लेना आवश्यक है। उनके द्वारा दिया गया 'जय जवान, जय किसान' का नारा आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना कि उनके समय में था।

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी कचरा प्रबंधन का ब्लू-प्रिंट

तोखन साहू

हमारा देश अब स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की दसवीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। यह एक परिवर्तनकारी दशकीय यात्रा रही है, जिसके बारे में विचार करने पर प्रभाव बेहद गहरे नजर आते हैं। एक ऐसा मिशन जिसने भारत में स्वच्छता और सफाई के नए पैमाने स्थापित कर एक नई परिभाषा गढ़ी है। 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया यह मिशन केवल एक पहल नहीं, बल्कि एक आंदोलन था – हर एक नागरिक को स्वच्छ, स्वस्थ और 'विकसित भारत में योगदान देने का आह्वान। आज, एसबीएम ने अपना फोकस केवल शौचालयों के निर्माण और उन तक नागरिकों की पहुंच को बढ़ाने तक ही सीमित नहीं रखा है, बल्कि इसमें विभिन्न समुदायों के लिए प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन पद्धतियां अपनाने के बारे में स्पष्ट रूप से मार्गदर्शन को भी शामिल किया है। यह बदलाव स्वच्छता के लिए जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देता है, सभी व्यक्तियों को अपने समाज की भलाई में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारे प्रधानमंत्री ने इस पहल को आगे बढ़ाया, जिसके परिणामस्वरूप भारत खुले में शौच से मुक्त हुआ और हमारे समुदायों में जनभागीदारी की अनोखी अलख जगी। शहरी क्षेत्रों में, एसबीएम ने अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण का नेतृत्व किया है। कुशल अपशिष्ट पृथक्करण प्रणालियों के कार्यान्वयन से लेकर अपशिष्ट-से-ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना तक, देश भर के शहरों ने आज अभिनव समाधान अपनाए हैं, जो कि वर्ष 2014-2024 के बीच हमारे माननीय प्रधानमंत्री कुशल मार्गदर्शन में दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों से ही संभव हुआ है। स्वच्छ सर्वेक्षण के रूप में एक वार्षिक स्वच्छता सर्वे की शुरूआत हुई, जिसने शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया। इसने शहरों को सफाई और स्वच्छता संबंधी मानकों का स्तर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया है, साथ ही स्वच्छता को स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ा है। स्वच्छ भारत मिशन के मूल में समाज के हर वर्ग और समुदायों की सक्रिय भागीदारी है। स्कूली बच्चों से लेकर महिला समूहों तक, सभी नागरिक स्वच्छता के प्रहारी बन गए हैं। राज्य सरकारों ने स्थानीय स्तर पर राष्ट्रीय नीतियों को लागू किया है और स्वच्छता को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश स्थापित किए हैं। उन्होंने सार्वजनिक शौचालयों और अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ शहरों में विशिष्ट स्वच्छता संबंधी रणनीतियां तैयार की हैं। साथ ही, नगरपालिका कर्मचारियों और सफ़ाई कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से क्षमता निर्माण में भी निवेश किया गया है। राज्यों ने निरंतर प्रगति को ट्रैक करने और उसके आवश्यक समायोजन के लिए मजबूत निगरानी और मूल्यांकन तंत्र के साथ स्तर को बेहतर बनाया है, और स्वच्छ सर्वेक्षण का एक उपकरण के रूप में उपयोग किया है। विभिन्न क्षेत्रों के साथ सहयोग करके, मिशन ने स्थानीय निकायों, गैर सरकारी संगठनों और नागरिकों को एक साझा लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करने के लिए सशक्त बनाया है। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप पर जोर देने के साथ-साथ संसाधन जुटाने और तकनीकी क्षेत्र में इनोवेशन प्रोसेस को आसान बनाया गया है, जिससे स्वच्छता संबंधी समाधान अधिक सुलभ और स्थायी बन गए हैं। इसके अतिरिक्त, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर जैसी पहल हमारे स्वच्छता नायकों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान करती हैं और उनको मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाती हैं, जो सामुदायिक स्वास्थ्य की दिशा में भी मिशन के व्यापक दृष्टिकोण पर जोर देती हैं। यह सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण है कि स्वच्छता सेवाएं, समाज के बेहद पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए भी समावेशी एवं न्यायसंगत हों और एसबीएम ने यह काम सफलतापूर्वक किया है। इसी तरह के उदाहरणों में से एक है, जिसे मैंने भी करीब से देखा है और यह छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर में हुआ है। एक विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन योजना के साथ लगभग 200,000 निवासियों वाले इस शहर ने लैंडफिल पर जाने वाले कचरे को प्रभावी रूप से घटाने का काम किया है और स्रोत पर ही इसके लिए विशेष प्रबंध किया गया है, जिसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता भी प्राप्त हुई है। इस सफलता का एक प्रमुख हिस्सा 470 सफाईकर्मियों का एक समर्पित समूह है, जो शहर में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक प्रशिक्षित सजग महिलाओं का एक समूह है। उनके प्रयासों से अंबिकापुर नगर पालिका को न केवल राजस्व अर्जित करने में सफलता मिली है, बल्कि उस राजस्व को पुनः सामुदायिक सेवाओं में निवेश करने में भी मदद मिली है, जिससे समावेशी रणनीतियों के सामाजिक-आर्थिक लाभ भी दिखाई दिए हैं। अंबिकापुर में महिलाएं कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया को संचालित करती हैं - संग्रह और पृथक्करण से लेकर प्रसंस्करण तक - वे कचरे को दायित्व के बजाय संसाधन के रूप में देखती हैं। यह मानसिकता रीसाइक्लिंग और मैटेरियल रिकवरी को प्रोत्साहित करती है, जिससे कचरा चक्र में आने वाले लूप प्रभावी रूप से बंद हो जाते हैं। समुदाय को जिम्मेदार कचरा निपटारे के बारे में शिक्षित करके, वे पर्यावरण रखरखाव में सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देते हैं, आर्थिक अवसरों को खोलते हैं और स्थायी अभ्यासों को आगे बढ़ाते हैं। इस तरह निचले स्तर से विचार और काम शुरू करते हुए आज राज्यों को कचरा प्रबंधन में उल्लेखनीय प्रगति करने में सक्षम बनाया गया है। अंबिकापुर की 'महिलाओं के नेतृत्व में स्वच्छता संबंधी पहल प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों को लागू करने की चाह रखने वाले टियर-द्वद्ध और टियर-3 श्रेणी के शहरों के लिए एक आशाजनक ब्लू-प्रिंट है। जबकि प्रत्येक समुदाय को अलग-अलग तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, अंबिकापुर मॉडल सामुदायिक भागीदारी द्वारा संचालित स्थानीय समाधानों की शक्ति को दर्शाता है। जैसे-जैसे शहरी आबादी बढ़ रही है और अपशिष्ट प्रबंधन तेजी से महत्वपूर्ण होता जा रहा है, दुनिया भर के शहर प्रेरणा के लिए अंबिकापुर की ओर देख सकते हैं। उचित समर्थन और प्रतिबद्धता के साथ, हम अपशिष्ट प्रबंधन को विकास और सशक्तीकरण के लिए एक संसाधन के स्वरूप में ढाल सकते हैं, जिससे विभिन्न समुदायों और हमारे पर्यावरण दोनों को लाभ होगा। हमारे पास भारत भर में सशक्त महिलाओं के कई उदाहरण हैं, जो स्वच्छता और सफाई संबंधी मिशन के लक्ष्यों को बेहतर तरीके से हासिल करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हैं। आज महिलाएं, कचरा प्रबंधन से लेकर सामुदायिक शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी पहल करने में सबसे आगे हैं, ये प्रयास उन्हें आवश्यक परिवर्तनकारी कारक के रूप में प्रमाणित करते हैं। अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से, उन्होंने न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य में योगदान दिया है, बल्कि सफाई और स्वच्छता के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को भी बदला है। एसबीएम के अहम प्रभावों में से एक महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन भी रहा है, विशेष रूप से सफाई से जुड़ी भूमिकाओं में उन्होंने बड़ा योगदान दिया है। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन जैसी पहलों ने महिलाओं को कचरा संग्रह, पृथक्करण और प्रसंस्करण में शामिल होने के लिए प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान किए हैं। सफ़ाईकर्मी के रूप में, महिलाएं वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त कर रही हैं और अपने समुदायों में अपनी स्थिति को बेहतर बना रही हैं।

मेष राशि–आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। आज अपनी छिपी हुई प्रतिभा को पहचानकर उसे रचनात्मक कार्यों में लगाएंगे। इससे आपको मानसिक मिलेगा। आज दिन का अधिकतर समय पारिवारिक लोगों के साथ बीतेगा, सभी लोग खुशी महसूस करेंगे।आज आपको जीवनसाथी से खुशखबरी मिलेगी, जिससे पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा।

वृष राशि–आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। परिवारिक माहौल बेहतर बना रहेगा। आपके काम में परिवार वालों का सहयोग बना रहेगा। कारोबार में मेहनत का फायदा मिलेगा। आज राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े मित्र की पावर आपके लिए कारगर साबित होगी। उसके साथ लाभदायक बिंदुओं पर विचार-विमर्श भी रहेगा। सामाजिक कार्यकर्ताओं का सहयोग करना आपका मान-सम्मान बढ़ाएगा।

मिथुन राशि–आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। आज आप अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कोई नई योजना बनायेंगे, योजना भविष्य में कारगर साबित होगी। आज स्वास्थ्य संबंधी हल्की-फुल्की परेशानी रहने की वजह से आलस और सुस्ती हावी रहेगी। जिसका असर आपकी कार्यप्रणाली पर पड़ सकता है। सकारात्मक बने रहने के लिए अच्छे साहित्य और पारिवारिक लोगों के संपर्क में रहेंगे तो बढ़िया रहेगा।

कर्क राशि–आज आपका दिन नया बदलाव लाने वाला है। आज नौकरी कर रहे लोगों को अपने किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। आज जीवनसाथी के साथ खट्टी-मीठी नोकझोंक रहेगी। जिसकी वजह से संबंधों में और अधिक नजदीकियां बढ़ेंगी। आज समय का सही इस्तेमाल करेंगे और हर काम को लगन से करने की ललक रहेगी।

सिंह राशि–आज आप खुशियों से भरे दिन की शुरुआत करने वाले हैं। पारिवारिक मामलों को लेकर आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ेगी। आज गतिविधियों में आपका योगदान होने से आपका मान-सम्मान भी बढ़ेगा। आपके व्यक्तिगत काम भी आज काफी हद तक सुचारू रूप से पूरे हो जाएंगे। आज कोई समस्या होने पर आपको मित्रों द्वारा उचित मदद भी मिलेगी। आज किसी से भी बेवजह उलझने से आपको बचना चाहिए।

कन्या राशि–आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आपके पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। नवविवाहितों के जीवन में खुशियाँ बढ़ेगी। आज अपने जीवन को सकारात्मक नजरिए से समझने की कोशिश करेंगे तो इससे चल रही गलतफहमियां सुलझ जाएंगी। धर्म और अध्यात्म के प्रति बढ़ता हुआ आपका विश्वास आपको शांति और मानसिक सुख देगा। किसी खास मुद्दे पर चर्चा भी रहेगी। आपकी सकारात्मक सोच से परिस्थितियां अच्छी होंगी।

तुला राशि–छात्रों के करियर में आज नया बदलाव आयेगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। आपकी सेहत बढ़िया रहेगी। आज आपका अपने प्रियजनों के साथ बहुत ही बेहतरीन समय बीतेगा। घरेलू कामों में रुचि बनी रहेगी और रिलैक्स महसूस करने के लिए मनोरंजन संबंधी योजनाएं भी बन सकती हैं। पारिवारिक व्यवस्था को बनाए रखने में आपका विशेष योगदान रहेगा।

वृश्चिक राशि–आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज ऑफिस के काम में आप थोड़े बिजी होंगे। आपको थोड़ी थकान महसूस होगी, अपने खान पान पर विशेष ध्यान दें। आज राजनैतिक और अनुभवी व्यक्ति की सलाह और मदद आपके व्यवसाय को नई दिशा देगी। आर्थिक स्थिति आज सामान्य बनी रहेगी। आज अपने पर्सनल कार्यों में किसी बाहरी व्यक्ति को शामिल ना करें।

धनु राशि–आज किसी खास काम में आपको फायदा मिलेगा। माता-पिता के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। जीवनसाथी आपकी बातों से प्रभावित होंगे, आपके कामों में आपकी मदद भी करेंगे। आज आपके स्वभाव में वहम और गुस्से की स्थिति देखने को मिल सकती है जिसकी वजह से परिवार के लोग भी परेशान रहेंगे। आज आपको घर के किसी वरिष्ठ सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रहेगी।

मकर राशि–आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज काफी हद तक तनावमुक्त महसूस करेंगे।आज बहुत व्यवस्थित रहने का समय है। आज आप ध्यान रखेंगे कि आपकी बात से किसी को आघात ना पहुंचे। अपनी महत्वपूर्ण चीजों की संभाल खुद करेंगे। आज व्यक्तिगत कारणों की वजह से व्यवसाय पर अधिक ध्यान नहीं दे पाएंगे।

कुंभ राशि–आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। लवमेट के लिए आज का दिन शानदार रहेगा। आज मीडिया और कम्युनिकेशन से संबंधित व्यवसाय में उपलब्धियों के योग बन रहे हैं। इस उचित समय का भरपूर सदुपयोग करेंगे। व्यवसायिक पार्टियों के साथ संबंध मधुर बनाने का प्रयास करेंगे। आज पारिवारिक मामलों में ज्यादा हस्तक्षेप ना करें।

मीन राशि–आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। घर में नजदीकी रिश्तेदारों के आने से उत्सव का माहौल रहेगा। कई तरह के विचारों का आदान-प्रदान रहेगा। आज घर में काफी समय बाद निकट संबंधियों का आगमन होगा और आपसी विचारों को साझा करने से घर के वातावरण को खुशनुमा बनाकर रखेगा।

शब्द सामर्थ्य -195

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहूदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे
1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

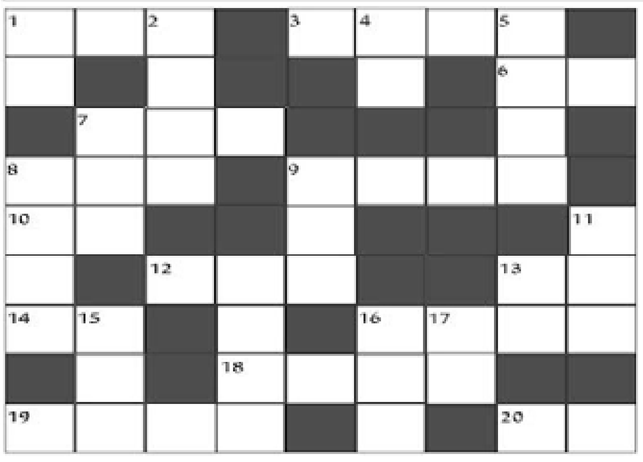

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 194 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	■
प	■	ति	■	■	र	क्ष	क	■
र	ह	मा	न	■	■	■	■	आ
वा	■	■	मि	थु	न	■	दा	स
ह	वा	ला	त	■	सी	ता	■	पा
■	न	■	■	■	ब	क	वा	स
औ	र	त	■	म	■	त	■	■
ला	■	बे	च	ना	■	व	च	न
द	ह	ला	■	ना	ग	र	■	दी

सूडोकु नवताल- 7206

★☆☆☆☆ सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7205 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

डॉक्टर, इंजीनियर ही नहीं इन 10 करियर ऑप्शन में है भरपूर कमाई

12वीं पास करने के बाद आप डॉटर, इंजीनियर बनने के बजाय कोई कोई नई राह चुनना चाहते हैं तो आपके लिए हैं ये 10 बेस्ट करियर ऑप्शन. जानें लीक से हटकर मगर हिट करियर ऑप्शन के बारे में.

डिजास्टर मैनेजमेंट में करियर

प्राकृतिक आपदाओं के बढ़ने के साथ ही इस समस्या से निपटने वालों की भूमिका अहम हो गई है। इस समस्या से निपटने का काम काम करते हैं डिजास्टर मैनेजमेंट प्रोफेशनल। जिन्हें इस खास काम के लिए ट्रेंड किया जाता है। डिजास्टर मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स का काम आपदा के शिकार लोगों की जान बचाना और उन्हें नई जिंदगी देना है। देश के कई मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट डिजास्टर मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट से लेकर पीजी डिप्लोमा लेवल के कोर्स कराते है। वहीं कई यूनिवर्सिटी में डिग्री लेवल कोर्स भी हैं। इसके लिए 12वीं पास होना जरूरी है।

राफ्टिंग में बनाएं करियर

एडवेंचर पसंद करने वाले लोग अक्सर बिजी शेड्यूल से वक्त निकालकर समंदर की लहरों के बीच राफ्टिंग करने निकल पड़ते हैं। लेकिन अगर यह आपकी हॉबी में शामिल है तो आप इस क्षेत्र में करियर भी बना सकते हैं। साहसी युवाओं के लिए इसके लिए करियर की संभावनाएं हैं। इसके लिए आपको शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होना बेहद जरूरी है। संस्थानों द्वारा राफ्टिंग का 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स कराया जाता है। आवेदनकर्ता की शारीरिक जांच की जाती है। आपके अंदर छिपे साहस को परखने के लिए राफ्टिंग गाइड के साथ खतरनाक राफ्टिंग ट्रेक पर भेजा जाता है। इसमें सफल होने पर उसे प्रशिक्षण के लिए चुन लिया जाता है।

टूल्स डिजाइनिंग में संवारे करियर

अगर आपकी रुचि मशीनरी में है तो आप टूल डिजाइनिंग का कोर्स कर सकते हैं। टूल डिजाइनिंग के तहत टूल्स विश्लेषण और डिजाइनिंग पर जोर दिया जाता है। जिन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री या डिप्लोमा कोर्स किया है वे टूल डिजाइनिंग में डिप्लोमा कर सकते हैं। आईटीआई कोर्स करने वालों को पहली प्राथमिकता दी जाती है।

साइबर लॉ में करियर की ढेरों संभावनाएं

कुछ सालों पहले तक लॉ की पढ़ाई का मतलब कोर्ट में काला कोट पहनकर वकील बनने से लगाया जाता था, लेकिन अब जमाना बदल गया है। आज लॉ की पढ़ाई में कई ऐसे कोर्सेज हैं, जिनमें स्पेशलाइजेशन हासिल कर बेहतर करियर बनाया जा सकता है। ऐसा ही एक कोर्स है साइबर लॉ। साइबर लॉ में करियर बनाने के लिए आपकों लॉ की डिग्री हासिल करनी होगी, जिसके बाद आप साइबर लॉ में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं।

लैंडस्केपिंग में बनाएं अपना करियर

अगर आप बिल्डिंग निर्माण के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो लैडस्केपिंग आर्किटेक्चर आपके करियर के लिए बेहतर विकल्प होगा। इस कोर्स को करने के लिए साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास होना जरूरी है। इसमें मुख्य रूप से बिल्डिंग के आउटडोर पब्लिक एरिया को प्राकृतिक रूप से डिजाइन किया जाता है, जिसमें वाटर बॉडी, टाइल्स, पेड़-पौधे को आकर्षक बनाया जाता है।

स्टेटिस्टिक्स में मौके

गणितीय तरीके से डेटा के प्रेजेंटेशन, एनालिसिस, इंटरप्रेटेशन करने के विज्ञान को स्टेटिस्टिक्स कहते हैं। स्टेटिस्टिक्स को हिन्दी में सांख्यिकी कहा जाता है। इसका इस्तेमाल समय के साथ धीरे-धीरे बढ़ रहा है। आज इसका इस्तेमाल मार्केटिंग, एग्रीकल्चर, फार्मा, मीडिया सहित कई अन्य जगहों पर होता है। जिन्होंने 12वीं कॉमर्स से किया है, वे बैचलर डिग्री में स्टेटिस्टिक्स ले सकते हैं या जिन्होंने ग्रेजुएशन गणित से किया है वे भी स्टेटिस्टिक्स की पढ़ाई मास्टर्स लेवल पर कर सकते हैं। अगर आप स्टेटिस्टिक्स से पोस्ट ग्रेजुएट हो जाते हैं तो आपको नौकरी पाने के अधिक मौके मिलेंगे।

सिस्मोलॉजिस्ट बनाएं अपना करियर

भूकंप से आप शायद ही अनजान होंगे। यह एक प्राकृतिक आपदा है। लोग भूकंप का नाम सुनकर ही कांप उठते हैं। पर भूकंप कैसे आता है और आखिर क्या होती हैं भूकंप की तरंगे जिनसे धरती पर भारी उथल- पुथल मच जाती है? ऐसे सवाल आपके मन में अकसर आते होंगे। इस प्रकार के जिज्ञासु प्रवृत्ति के लोग सिस्मोलॉजी कोर्स कर सकते हैं। अगर 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स जैसे सब्जेक्ट हैं तो आप सिस्मोलॉजी में अपना करियर बना सकते हैं।

फार्माकोविजिलेंस में बनाएं करियर

बचपन से मेडिसिन की पढ़ाई का सपना था पर सफलता नहीं मिलने की वजह से मेडिकल कॉलेज में एडमिशन नहीं ले पाए तो निराश होने की कोई बात नहीं। अब आपके पास एक ऐसा ऑप्शन है जो आपके अधूरे सपने को पूरा कर सकता है। हालांकि इस कोर्स को करने के बाद आप एमबीबीएस की डिग्री तो नहीं पा सकेंगे लेकिन एक डॉक्टर का फर्ज जरूर निभा सकेंगे। फार्माकोविजिलेंस का संबंध दवाइयों की उपलब्धता, डिस्ट्रीब्यूशन, पहुंच, इस्तेमाल और इससे जुड़ी दूसरी समस्याओं से भी है। इस फील्ड में विदेशों में भी नौकरियों की संभावनाएं हैं।

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में बनाए अपना करियर

अगर आप अपने करियर को लेकर चिंतित हैं तो पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में अपना करियर बना सकते हैं। इस क्षेत्र में आज प्रोफेशनल?स की बड़ी मांग है। पेट्रोलियम इंजीनियरिंग को पेट्रोइंजीनियरिंग या पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग भी कहा जाता है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपके पास 12वीं में साइंस होनी चाहिए। 12वीं पास करने के बाद आप पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एडमिशन ले सकते हैं।

ऑन डिमांड करियर है चिप डिजाइनर

अगर आप इंजीनियरिंग कर रहे हैं और टेक्निकल के साथ-साथ कोई चैलेंजिंग और क्रिएटिव वर्क भी करना चाहते हैं, तो चिप डिजाइनिंग में करियर बना सकते हैं। चिप सिलिकॉन का एक छोटा और पतला टुकडा होता है, जो मशीनों के लिए इंटीग्रेटेड सर्किट बेस का काम करता है। इस क्षेत्र से जुड़ने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, टेली कम्यूनिकेशन या कम्प्यूटर साइंस में बीई या बीटेक की डिग्री होनी जरूरी है।

इंटरव्यू के लिए तैयारी और भी ज़रूरी

किसी नौकरी के लिए इंटरव्यू देना अपने आप में ही एक महत्वपूर्ण कार्य है, और खासकर तब जब आप पहली बार इंटरव्यू के लिए जा रहे हों तो इसके लिए तैयारी और भी जरुरी हो जाती है। आज कल की भागती दौड़ती दुनिया में दूसरों से एक कदम आगे निकल कर अपनी मनचाही नौकरी को पा लेना आसान काम नहीं है।

जॉब मार्केट में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण जॉब मिलना सबसे ज्यादा मुश्किल काम हो गया है लेकिन अभी भी उन उम्मीदवारों को कहीं न कहीं बेहतर जॉब जरूर मिल जाती है जो योग्य होते हैं। लेकिन इतना जरुर है कि समय के साथ- साथ जॉब सर्च करने, टेस्ट और इंटरव्यू देने के तरीके भी बदल गए है। इसलिए आपके लिए इन बातों को जानना बहुत जरुरी है। अपने बारे में कुछ बताएं? ज्यादातर लोग इस तरह के सवाल का सही जवाब देने में अक्सर फेल हो जाते हैं ऐसे में जब ये सवाल पूछा जाए तो कभी भी अपनी पूरी एम्पलॉयमेंट और पर्सनल हिस्ट्री न दें।बल्कि इसकी बजाए आपको ये बताना चाहिए कि आखिर आप इस जॉब के लिए क्यों फिट हैं इस मौके पर आप अपनी कुछ उपलब्धियों और अनुभव के बारे में बता सकते हैं।

आपको यहां वैकेंसी के बारे में कैसे पता लगा?

ऐसा सवाल आपको कंपनी को लेकर अपना पैशन और कनेक्शन दिखाना का पूरा अवसर प्रदान कराता है। उदाहरण के तौर पर आप इस सवाल के जवाब में नियोक्ता को ये बता सकते हैं कि आप इस वैकेंसी के लिए एक्साइटेड हैं अगर आपको इस जॉब के बारे में किसी आर्टिकल या फिर इवेंट के जरिए पता लगा है तो ये जानकारी भी नियोक्ता के साथ शेयर करनी चाहिए। आपको नियोक्ता को वो हर बात बतानी चाहिए, जिसकी वजह से वैकेंसी ने आपका ध्यान खींचा है।

आपको ये जॉब क्यों चाहिए?

कंपनी ऐसे व्यक्ति को हमेशा जॉब पर रखती है जो जॉब को लेकर पैशनेट हो। इसलिए आपके पास इस सवाल का एक दम सटीक जवाब होना चाहिए कि आखिर आपको ये जॉब क्यों दी जाए. इसके लिए आपको वैकेंसी से जुड़ी योग्यताओं के दो-तीन प्वाइंट्स को अपने दिमाग में रखना चाहिए और उससे जुड़ी बात करनी चाहिए।

हम आपको नौकरी पर क्यों रखें?

अगर इंटरव्यू के दौरान आप नियोक्ता को ये बता सकते हैं कि आप न सिर्फ काम सही ढंग से कर सकते हैं, बल्कि बेहतर रिजल्ट्स भी दे सकते हैं। इसके साथ आप टीम के साथ अच्छा तालमेल और ऑफिस कल्चर के मुताबिक बखूबी ढल सकते हैं और अन्य उम्मीदवारों से अच्छा पैकेज साबित होंगे।

बॉडी लैंग्वेज

आप बहुत अच्छा काम करते हैं, लेकिन अगर आप लोगों की बातचीत में शामिल नहीं होते तो यह गलत है।

हर इंसान की अपनी अलग शारीरिक भाषा यानी बॉडी लैंग्वेज होती है। इंसान चाहे कितना भी मीठा क्यों न बोले, उसका व्यवहार कितना भी अच्छा क्यों न हो, अगर उसकी बॉडी लैंग्वेज में खोट है तो इसका सामने वाले पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि हम जो सोच रहे हैं, जो बोल रहे हैं उसका हमारी शारीरिक भाषा के साथ सामंजस्य हो।

असफल बनाने के लिए काफी हैं ये 15 गलतियां

बॉडी लैंग्वेज का कामकाज और सफलता पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है। आपके अंदर भले ही टैलेंट भरा हुआ हो, लेकिन अगर इसके साथ आपकी बॉडी लैंग्वेज में दोष है तो यह आपके सफलता की राह में बड़ा पत्थर साबित हो सकता है। 'टैलेंट स्मार्ट' नाम की एक संस्था ने इस ओर लाखों सफल और असफल लोगों का अध्ययन किया और पाया कि बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी 15 ऐसी गलतियां हैं जो सफल इंसान कभी नहीं करते।

1) बेफिक्र या भद्दे अंदाज में चलना

बेफिक्र या अल्हड़ अंदाज में चलने को अनादर माना जाता है। यह दिखाता है कि आपका सामने वाले की बातों में कोई रुचि नहीं है और आप उसकी कोई फिक्र नहीं करते। जबकि कार्यस्थल पर कोई भी मैनेजर बेफिक्र लोगों को जिम्मेदारी से दूर ही रखना पसंद करता है। यानी अगली बार जब आपका बॉस आपसे कुछ कह रहा हो तो न सिर्फ उन्हें सुने बल्कि खुद के जिम्मेदार होने का एहसास भी करवाएं।

2) बढ़ा चढ़ाकर पेश करना

जब कभी कार्यस्थल पर किसी से बात करें, फिर चाहे वह आपका बॉस ही क्यों न हो। छोटी-मोटी सफलता के लिए चीजों या बातों को बढ़ा चढ़ाकर पेश न करें। यह आपकी छवि को खराब करता है और सामने वाला यही समझता है कि आप बस बात करना जानते हैं। बातचीत के क्रम में कभी अपनी बांहों को न फैलाएं या हथेली दिखाकर बात न करें।

3) बार बार घड़ी देखना

किसी से बात करते समय उसकी आंखों में देखकर बात करें। यह बताता है कि आपके अंदर आत्मविश्वास है। नजरें चुराना या बार-बार घड़ी की ओर देखना गलत है। यह बताता है कि आप सामने वाले की बातों को सुनने की बजाय बातचीत को जल्द खत्म करना चाहते हैं।

4) खुद को दूसरों से अलग करना

आप बहुत अच्छा काम करते हैं, लेकिन अगर आप लोगों की बातचीत में शामिल नहीं होते तो यह गलत है। जब कभी ऑफिस के लोग आपस में बात कर रहे होते हैं तो खुद को उनसे दूर रखने की बजाय उनके ग्रुप में शामिल होना चाहिए। यह बताता है कि आप काम के साथ लोगों से बेहतर संबंध में भी दिलचस्पी रखते हैं।

5) क्रॉस लेग या क्रॉस आर्म्स

कई बार देखने में आता है कि बातचीत के क्रम में लोग क्रॉस लेग होकर बैठना पसंद करते हैं। या बांहों को मोड़कर बात करते हैं। बॉडी लैंग्वेज के विशेषज्ञों का मानना है ऐसा नहीं करना चाहिए। खासकर तब जब आप अपने बॉस से बात कर रहे हैं। क्योंकि इसका अर्थ यह निकलता है कि आप खुलकर बात नहीं करना चाहते या कुछ छुपा रहे हैं।

6) बातचीत के क्रम में हावभाव

आप जो बोल रहे हैं, वह आपके चेहरे पर भी दिखना चाहिए। मसलन अगर आप दुखी हैं तो यह चेहरे पर दिखना चाहिए। परेशान हैं तो दिखना चाहिए। वरना सामने वाला आप पर कतई विश्वास नहीं करेगा।

7) हद से ज्यादा सिर हिलाना

सामने वाले की बात से सहमत होने पर हम सिर हिलाकर उसका समर्थन करते हैं, लेकिन बेवजह हर बात पर या हद से अधिक सिर हिलाने से बचें।

8) बार-बार बाल ठीक करना

बातचीत के क्रम में कभी भी अपने बालों को या कपड़ों को बार-बार ठीक न करें। इससे यह लगता है कि आप बस खुद का ध्यान रखते हैं और आपकों दूसरों की बातों या विचारों में कोई रुचि नहीं है।

9) आंख मिलना

जैसा कि पहले भी कहा गया है कि बातचीत के क्रम में आंख मिलाकर बात करें।

10) आंख मिलाएं, घूरे नहीं

आंख मिलाकर बात करने का अर्थ सामने वालों की आंखों में आंखे डालकर घूरना नहीं होता। आम तौर पर बातचीत के क्रम में एक बार में 7-10 सेकेंड तक आंख मिलाकर बात करें। फिर पलक झपकाएं।

11) आंखें गोल-गोल घुमाना

बहुत से लोग बातचीत के क्रम में आंखें गोल-गोल घुमाते हैं। ऐसा करने से बचें। अगर यह आपकी आदत है तो इसे बदलने का प्रयास करें।

12) खुश रहें, चेहरे पर ताजगी बनाकर रखें

काम करते हैं तो काम से खुश रहना भी जरूरी है। हर वक्त चेहरा बनाकर रखना या दुखी दिखना अच्छी बात नहीं है।

13) हाथ मिलाते वक्त

कभी भी हल्के हाथ या बेफिक्री के अंदाज में हाथ न मिलाएं। इससे ऐसा लगता है जैसे आपके अंदर आत्मविश्वास की कमी है। जब हाथ मिलाएं, पूरी स्फूर्ति और ताजगी के साथ।

14) मुट्ठी बांधना

बातचीत के क्रम में मुट्ठी बांधना भी गलत संकेत देता है। इससे भी क्रॉस लेग या क्रॉस आर्म की तरह यही संकेत जाता है कि आप खुलकर बात नहीं करना चाहते।

15) अधिक निकट न जाएं

मोटी कमाई वाली 5 पार्ट टाइम नौकरियां

1। **साइन लैंग्वेज इंटरप्रेटर:** वे जिन्हें साइन लैंग्वेज आती है, वे इसमें पार्ट टाइम और फ्रीलांस जॉब कर सकते हैं। आप न इससे केवल किसी की मदद करते हैं बल्कि अच्छी कमाई भी कर लेते हैं।

2। **सॉफ्टवेयर डेवलपर:** आज के समय में इस जॉब की मार्केट में काफी मांग है। इस फील्ड में आप एक प्रोजेक्ट पर काम करते हैं। इस फील्ड में वेबसाइट डेवलप करने का या अपडेट करने, नए एप्प तैयार करने से संबंधित काम आसानी से मिल सकता है।

3। **ऑनलाइन कम्यूनिकेशन एसोसिएट:** ऑनलाइन कम्यूनिटी मैनेजमेंट पोजिशंस एक उभरता हुआ फील्ड है। इसमें आपको वेब कंटेंट अपडेट करने से लेकर सोशल मीडिया देखने तक का काम करना होता है। कंटेंट लेकर अच्छी रिपोर्ट भी तैयार करनी पड़ सकती है।

4। **बाइलिंग्वल लीगल असिस्टेंट:** अगर आपको एक से ज्यादा भाषाओं की जानकारी है और कानून की समझ है तो फिर फुल टाइम जॉब तलाशने में समय खराब न करें। किसी प्रोजेक्ट को हासिल करें और काम करना शुरू करें।

5। **कॉपी एडिटर/राइटर:** आपकी पकड़ भाषा पर अच्छी है तो फिर आप इस जॉब को कर सकते हैं। कॉपी एडिटर/राइटर को प्रूफरीडिंग और राइटिंग का काम करना होता है। इस फील्ड में काम की कमी नहीं है। यह आप पर निर्भर है कि कितनी जल्दी आप काम करके देते हैं। इसमें शब्दों और पेज के हिसाब से आपको रुपये दिए जाते हैं।

7। **टेम्परी ट्रांसक्रिप्ट प्रोसेस:** इसमें मुख्य रूप से डेटा एंट्री ऑपरेटर का काम करना होता है। इसमें आपको डेटा कलेक्ट करने से लेकर उसे बेहतर बनाने तक का काम करना होता है। इसमें कई तरह के चैलेंज भी आपको मिलेंगे लेकिन आत्मनिर्भर होकर यह काम करने में आपको अच्छा लगेगा।

अपने इन छह-छह खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं आईपीएल टीमें

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के रिटेंशन नीयमों की घोषणा के बाद से ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजियों ने किन खिलाड़ियों को बरकरार रखना है और किन्हें बाहर करना है उसपर काम शुरु कर दिया है। बीसीसीआई ने अपने नये नियम में बदलाव करते हुए अब फ्रेंचाइजियों को अधिकतम 6 खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति दे दी है। इसके साथ ही वह राइट-टू-मैच (आरटीएम) कार्ड के माध्यम से भी एक खिलाड़ी शामिल कर सकते हैं। यह संभव नहीं है कि सभी 10 फ्रेंचाइजियां नीलामी से पहले 6 खिलाड़ियों को रिटेन करें। ऐसे में माना जा हर है हर फ्रैंचाईजी अपने-अपने इन छह खिलाड़ियों का रिटेन करेगी।

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़, रवींद्र जड़ेजा, शिवम दुबे, डेरिल मिशेल, मथीशा पथिराना, एमएस धोनी मुंबई इंडियंसः हार्दिक पंड्या, रोहित शर्मा, जसप्रित बुमरा, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, अंशुल कंबोज।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : विराट कोहली, मोहम्मद सिराज, विल जैक्स, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन, यश दयाल।

राजस्थान रॉयल्स : संजू सैमसन, जोस बटलर, यशस्वी जयसवाल, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल, संदीप शर्मा।

कोलकाता नाइट राइडर्स : श्रेयस अय्यर, रिंकू सिंह, फिल साल्ट, सुनील नरेन, आंद्रे रसेल, हर्षित राणा।

गुजरात टाइटंस : शुबमन गिल, राशिद खान, डेविड मिलर, साई सुदर्शन, मोहम्मद शमी, राहुल तेवतिया।

लखनऊ सुपर जायंट्स : केएल राहुल, क्विंटन डी कॉक, निकोलस पूरन, रवि बिश्नोई, मार्कस स्टोइनिस, मयंक यादव।

दिल्ली कैपिटल्स : ऋषभ पंत, ट्रिस्टन स्टब्स, मिशेल मार्श, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अक्षर पटेल, अभिषेक पोरेल।

पंजाब किंग्स : सैम करन, अर्शदीप सिंह, कैगिसो रबाडा, लियाम लिविंगस्टोन, शशांक सिंह*, आशुतोष शर्मा।

सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस, अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, हेनरिक क्लासेन, टी. नटराजन, नितीश कुमार रेड्डी।

पीसीबी ने क्रिकेटरों से कहा फिटनेस सुधारे, नहीं तो होंगे बाहर

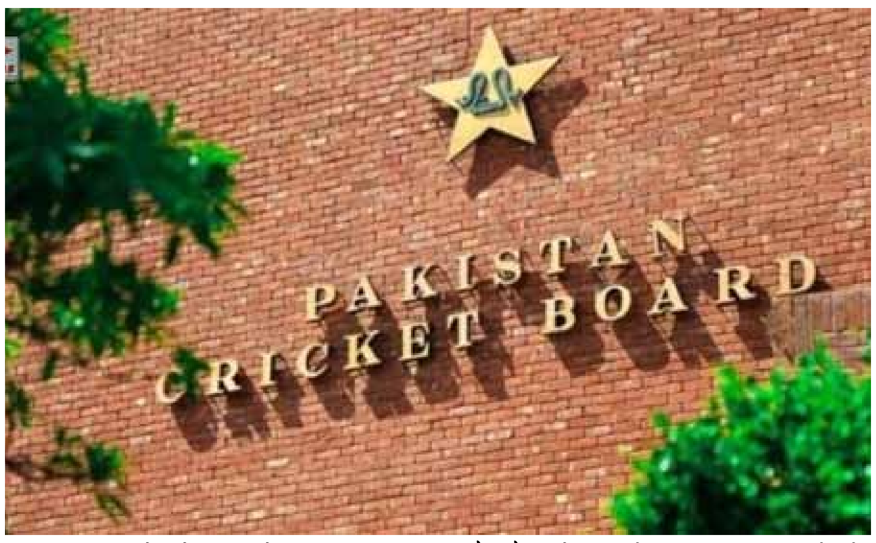

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम के कई क्रिकेटरों को फिटनेस ठीक करने को कहा है। पीसीबी ने इन क्रिकेटरों से कहा है कि अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो उनका अनुबंध समाप्त कर दिया जाएगा। पीसीबी के अनुसार टीम के फिटनेस ट्रेनर और फिजियो एक और फिटनेस जांच करेंगे क्योंकि कई खिलाड़ी इस महीने की शुरू में ही फिटनेस मानदंडों पर खरे नहीं उतरे थे। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा, 'जिन खिलाड़ियों के पास केंद्रीय और घरेलू अनुबंध हैं, उन्हें स्पष्ट शब्दों में कहा गया है कि फिटनेस पर कोई समझौता नहीं होगा और और उन्हें टीम के फिटनेस विशेषज्ञों द्वारा तय जरुरी मानदंडों को पूरा करना होगा। इस अधिकारी ने कहा, 'मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी और गैरी कर्स्टन ने पीसीबी अध्यक्ष से कहा था कि फिटनेस के संबंध में किसी भी खिलाड़ी से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। पाक टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से लगातार खराब रहा है और उसे बांग्लादेश तक से हार का सामना करना पड़ा। दोनो ही प्रारुपों के कोच ने समय-समय पर टीम की फिटनेस पर सवाल उठाये थे। उनका कहना था कि फिटनेस नहीं होने से खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं।

मोर्कल ने जडेजा को मैच विजेता खिलाड़ी बताया

कानपुर। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे एक संपूर्ण खिलाड़ी बताया है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर रहे मोर्कल ने कहा कि जडेजा एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं जो अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी के बल पर किसी भी मैच का रुख बदल सकते हैं। कोच ने कहा कि जिस प्रकार जडेजा ने 74 मैचों टेस्ट मैचों में ही 3000 रन और 300 विकेट हासिल किये उससे उनकी क्षमताओं का अंदाजा होता है। इससे पहले केवल इंग्लैंड के महान ऑलराउंडर इयान बॉथम ने 72 मैचों में 3000 टेस्ट रन और 300 विकेट लिए थे। जडेजा ने बांग्लादेश हसन महमूद को आउट कर अपने 300 विकेट पूरे किये। मोर्कल ने कहा कि मेरे लिए जडेजा एक ऐसा खिलाड़ी है जो किसी भी भूमिका चाहे वह बल्लेबाजी हो या गेंदबाज खरा उतरता है। हैवह मैदान पर ऐसा खिलाड़ी है जो जादू कर सकता है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसे आप हमेशा अपनी टीम में रखना चाहेंगे। वह पिछले कई वर्षों से भारत के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। मोर्कल के अनुसार 300 क्लब में शामिल होना एक बड़ी उपलब्धि है। वह किसी भी मैच में अपनी ओर से पूरे प्रयास करता है। जडेजा ने आर अश्विन के साथ मिलकर विरोधी टीम के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया है। मोर्कल ने कहा कि ये दोनो ही बल्लेबाज को कोई अवसर नहीं देते हैं। आपको इहमेशा रन बनाने के तरीके खोजने होंगे। दोनों गेंदबाज अगर एक साथ गेंदबाजी करते है तो बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है

भारतीय महिला टीम ने टी20 विश्वकप के लिए काफी अच्छी तैयारी की : लक्ष्मण

बेंगलुरू। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टी20 विश्वकप के लिए काफी अच्छी तैयारी की है जिसका परिणाम टूर्नामेंट में मिलेगा। लक्ष्मण के अनुसार कप्तान हरमनप्रीत कौर की टीम ने सेंटर आफ एक्सीलैंस में लगाये गए शिविर में काफी अभ्यास करने के साथ ही मैच भी खेले हैं। भारतीय टीम चार अक्टूबर को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच खेलेगी।लक्ष्मण ने कहा, 'उन्होंने जिस प्रतिबद्धता, समर्पण और ऊर्जा के साथ तैयारी की है, वह सराहना के योग्या है। मुझे उनकी तैयारियों पर गर्व है। यह काफी अच्छा शिविर था और मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने इस तरीके से तैयार किया था कि पहले चरण में मानसिक और शारीरिक पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित किया गया। इसके बाद ब्रेक था और दूसरे चरण में कौशल तथा तकनीकी पहलू पर जोर दिया गया। इस दौरान टीम ने केवल नेट्स अभ्यास ही नहीं किया बल्कि मैच भी खेले। लक्ष्मण ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग के आने के बाद देश में महिला क्रिकेट तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि महिला क्रिकेट का ग्राफ तेजी से ऊपर जा रहा है। युवा लड़कियों और अंतरराष्ट्रीय महिला खिलाड़ियों की तैयारी का स्तर पहले से अच्छा हुआ। प्रीमियर लगी से अवसर भी बढ़े हैं और अधिक से अधिक प्रतिभाएं सामने आ रही हैं।

अश्विन डब्लूटीसी के तीनों संस्करणों में 50 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने

कानपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ यहां खेले जा रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तीन विकेट लेने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया। अब अश्विन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) के तीनों की संस्करणों में 50 से ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं। अश्विन ने बांग्लादेश की पहली पारी में शाकिब अल हसन का विकेट लेते ही अपने 50 विकेट पूरे किये। अश्विन ने इसके बाद बांग्लादेश की दूसरी पारी में भी 2 विकेट लिए। अश्विन के नाम अब डब्ल्यूटीसी के इस सत्र में 52 विकेट हो गए हैं। उनसे ज्यादा विकेट किसी अन्य गेंदबाज ने नहीं लिए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड 51 विकेट के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं, इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के ही पैट कमिंस 48 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। अश्विन ने इससे पहले डब्ल्यूटीसी (2019-21) के पहले सत्र में 71 विकेट लिए थे। वे पहले सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर थे। इसके बाद उन्होंने दूसरे सत्र में कुल 61 विकेट लिए। इस प्रकार अश्विन ने डब्ल्यूटीसी के तीन सत्रों के 37 मैचों में कुल 182 विकेट लिए हैं। अब उन्हें नाथन लायन 187 का रिकार्ड तोड़ने के लिए छह विकेट की जरुरत है। .

व्यापार

शेयर बाजार की मजबूत शुरुआत

सेंसेक्स 300 अंक उछला, निफ़्टी 25,000 के पार

मुंबई। आईटी स्टॉक्स में तेजी के चलते भारतीय शेयर मंगलवार को बढ़त के साथ खुले, जबकि बिक्री के मासिक डेटा जारी होने के बाद चुनिंदा ऑटो कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 348.1 अंक चढ़कर 84,647.88 पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 96.75 अंक बढ़कर 25,907.60 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस और पावर ग्रिड के शेयर प्रमुख रूप से हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील और टाइटन के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। आईटी शेयरों में खरीदारी और जापानी बाजारों में रिकवरी के बीच, पिछले कारोबार में भारी गिरावट के बाद बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ़्टी ने मंगलवार को शुरुआती कारोबार में वापसी की। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल की सकारात्मक टिप्पणी से भी आईटी कंपनियों में रुचि बढ़ी है। वहीं पिछले हफ्ते लगातार रिकॉर्ड स्तरों पर कारोबार करने वाले घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में हफ्ते के पहले कराबारी दिन बड़ी बिकवाली दिखी। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 1,272.07 अंकों की गिरावट के साथ 84,299.78 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी 368.11 अंक फिसलकर 25,810.85 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225 फायदे में रहा। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग मंगलवार को सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद हैं। चीन का शंघाई कम्पोजिट अवकाश के कारण आज और इस पूरे सप्ताह बंद रहेगा। अमेरिकी बाजार सोमवार को पॉजिटिव रुख के साथ बंद हुए थे।

वित्त मंत्री ने कहा- 'क्लस्टर' विकास का दृष्टिकोण अपनाए अरुणाचल सरकार

ईटानगर/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश सरकार से कहा कि वह राज्य में सूक्ष्म व लघु उद्यमों (एमएसई) की उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के साथ-साथ क्षमता निर्माण के लिए 'क्लस्टर' विकास दृष्टिकोण को अपनाए। निर्मला सीतारमण ने अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में आयोजित क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम को के दौरान मुख्यमंत्री पेमा खांडू और उप-मुख्यमंत्री चौना मीन की उपस्थिति में लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) द्वारा एक ऋण पहुंच कार्यक्रम में कहा कि अरुणाचल प्रदेश में आज तक एमएसएमई मंत्रालय का घोषित एक भी औद्योगिक 'क्लस्टर' (संकुल) नहीं है। वित्त मंत्री सीतामरण ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री पेमा खांडू से अनुरोध करती हूं कि वे राज्य में 20 जीआई-चिह्नित उत्पादों के लिए 'क्लस्टर' विकास का दृष्टिकोण अपनाएं। उन्होंने कहा कि छोटे स्थानों पर ऐसे 'क्लस्टर', मंत्रालय द्वारा घोषित किए जा सकते हैं। ऐसे उद्यमों को वित्तपोषित करने के लिए भारतीय लघु औद्योगिक विकास बैंक (सिडबी) को जोड़ा जा सकता है। उन्होंने नाबार्ड, सिडबी और पीएनबी के सहयोग से स्टेट बैंक द्वारा आयोजित सीएसआर कार्यक्रम के तहत यहां पुलिस मुख्यालय को एक एम्बुलेंस तथा शव लाने-ले-जाने वाला एक वाहन सौंपा। इसके साथ ही एसबीआई द्वारा दान की गई 50 साइकिल भी छात्राओं को प्रदान कीं। इसके साथ ही केंद्रीय वित्त मंत्री ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों को बैंकों से स्वीकृति पत्र तथा 160 लाभार्थियों को 14.41 करोड़ रुपये की ऋण राशि वितरित की।

सोना हुआ सस्ता, चांदी की चमक बढ़ी

सोना 75,550 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 91,900 रुपए के करीब

नई दिल्ली। इस सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को सोने के वायदा भाव में नरमी, जबकि चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। मंगलवार को सोने के वायदा भाव 75,550 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई लेकिन बाद में चांदी के भाव में तेजी देखी जाने लगी। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 76 रुपये की गिरावट के साथ 75,535 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 62 रुपये की गिरावट के साथ 75,549 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 75,553 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 75,505 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 76,000 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 169 रुपये की तेजी के साथ 90,888 रुपये पर खुला। इस समय यह 187 रुपये की तेजी के साथ 90,906 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 90,929 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 90,860 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुलने के बाद तेज हो गए। कॉमेक्स पर सोना 2,656.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,659.40 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,657.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.42 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.45 डॉलर था। इस समय यह 0.07 डॉलर की तेजी के साथ 31.52 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया दो पैसे गिरकर 83.81 डॉलर पर

मुंबई। अस्थिर वैश्विक बाजारों के बीच विदेशी पूंजी की भारी निकासी के कारण रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में दो पैसे की गिरावट के साथ 83.81 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख के कारण स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा, हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू शेयर बाजारों में सुधार से गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 83.81 जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.79 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत बढ़त के साथ 100.54 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71.77 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 48 रुपए तक बढ़ी

नई दिल्ली। अक्टूबर के पहले दिन कर्मशियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़ गई हैं। 1 अक्टूबर से 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 48.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। ये नए भाव पूरे देश में लागू हो गए हैं और प्रमुख शहरों में सिलेंडर की नई कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली में 1740, पिछले महीने 1691.50 रुपए, कोलकाता में 1850.50 रुपए, पिछले महीने 1802.50 रुपए, मुंबई में 1692 रुपए, पिछले महीने 1644 रुपए, चेन्नई में 1903 रुपए, पिछले महीने 1855 रुपए थी। हालांकि 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जो आम घरों के लिए राहत की बात हो सकती है। लेकिन कमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों पर खाने की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना है, क्योंकि ये स्थान प्रमुख रूप से कमर्शियल गैस सिलेंडर का उपयोग करते हैं। अक्टूबर 2024 को मिलाकर पिछले तीन महीनों में लगातार कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सितंबर में 39 रुपये और अगस्त में 8-9 रुपये की मामूली बढ़त हुई थी।

अद्वय की डेब्यू फिल्म सुब्रमण्य का टीजर

भयानक घने जंगल में सांपों से घिरे दिखे एक्टर

आगामी सोशियो फैंटेसी एडवेंचर फिल्म सुब्रह्मण्य ने अपनी शानदार झलक सुब्रह्मण्य झलक-द फर्स्ट एडवेंचर का अनावरण किया है, जिसने दर्शकों को विस्मय में डाल दिया है। एसजी मूवी क्रिएशन द्वारा निर्मित और पी रविशंकर द्वारा निर्देशित, यह फिल्म मुख्य भूमिका में अद्वय की पहली फिल्म है। दुबई में झलक का शुभारंभ किया गया, जिसमें शानदार दृश्य प्रभाव और एनीमेशन दिखाए गए हैं जो एक अद्वितीय सिनेमाई अनुभव का वादा करते हैं। झलक में अद्वय को ज़हरीले साँपों से भरे एक कुएँ में तैरते हुए, एक प्राचीन पुस्तक को पुन: प्राप्त करते हुए, और योद्धाओं की पोशाक पहने विशालकाय वानरों द्वारा पीछा किए जाते हुए दिखाया गया है। भगवान श्री राम की विशेषता वाला अंतिम शॉट विशेष रूप से प्रभावशाली है। अद्वय के अभिनय, विग्नेश राज के असाधारण कैमरा वर्क और रवि बसरूर के बेहतरीन बैकग्राउंड स्कोर ने अपार उत्साह पैदा किया है। साठ से ज़्यादा वीएफ़एक्स कलाकारों ने चार महीने तक अथक परिश्रम किया है और फिल्म के दृश्य मुंबई, हैदराबाद, बैंगलोर और चेन्नई के मशहूर स्टूडियो में तैयार किए गए हैं। कलर ग्रेडिंग पार्टनर रेड चिलीज़. कलर ने दृश्यों में जीवंत सुंदरता भर दी है। बड़े फ़ॉर्मेट में शूट की गई सुब्रह्मण्य एक रोमांचकारी असाधारण थ्रिलर का वादा करती है, जिसे तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम और हिंदी में पूरे भारत में रिलीज़ किया जाएगा।

तृप्ति डिमरी अब माधुरी दीक्षित के साथ पर्दे पर मचाएंगी धमाल

लगेगा कॉमेडी का तड़का

इन दिनों अभिनेत्री तृप्ति डिमरी खूब चर्चा में हैं और हों भी क्यों न, उनके पास एक से बढ़कर एक फिल्मों के प्रस्ताव जो आ रहे हैं। जल्द ही वह कई चर्चित फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी।एनिमल के बाद से तृप्ति स्टारडम के रथ पर सवार हैं और अब एक और फिल्म उनके हाथ लग गई है।खास बात यह है कि इस फिल्म में उन्हें बॉलीवुड की धक-धक गर्ल रहीं माधुरी दीक्षित का साथ मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्देशक सुरेश त्रिवेणी इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभालने वाले हैं, जिन्होंने विद्या बालन की फिल्म तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी फिल्मों का निर्देशन किया था। अगले साल मार्च-अप्रैल में फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।फिल्म से जुड़ी ज्यादा जानकारी भले ही सामने नहीं आई है, लेकिन 90 के दशक की लोकप्रिय अदाकारा माधुरी और आज की पीढ़ी की अभिनेत्री तृप्ति की जुगलबंदी देखना बेहद दिलचस्प होगा। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म होगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह फिल्म मुख्य रूप से 3 किरदारों पर केंद्रित होगी। फिल्म के लिए हीरो का चयन करना अभी बाकी है। माधुरी फिल्म में मां तो तृप्ति उनकी बेटी की भूमिका में होंगी।फिल्म कॉमेडी, एक्शन, रोमांच और ड्रामा से लबरेज होगी। खास बात यह है कि माधुरी और तृप्ति को फिल्म भूल भुलैया 3 में भी साथ देखा जाएगा। हालांकि, इस फिल्म में माधुरी का कैमियो होगा। तृप्ति के हाथ में फिलहाल कई फिल्में हैं। वह राजकुमार राव के साथ फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में दिखाई देंगी, जो 11 अक्टूबर को रिलीज हो रही है।वह कार्तिक आर्यन के साथ एक रोमांटिक फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म के निर्देशक अनुराग बसु हैं।वह करण जौहर की फिल्म धड़क 2 में भी नजर आएंगी। विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म भी तृप्ति के पास है, जिसमें शाहिद कपूर उनके जोड़ीदार होंगे। माधुरी ने कई सफल फिल्में दी हैं। उनके नाम जुड़ने भर से फिल्में हिट हो जाती थीं। न सिर्फ अदाकारी, बल्कि अपने डांस के जरिए भी उन्होंने दर्शकों को मुरीद बनाया है।देवदास की चंद्रमुखी से लेकर तेजाब की मोहिनी, हम आपके हैं कौन की निशा चौधरी से लेकर दिल तो पागल है की पूजा तक, उनके हर किरदार को दर्शकों ने सिर आंखों पर बैठाया है।माधुरी को पिछली बार 2022 में फिल्म मजा मा में देखा गया था।

राम चरण ने आलिया भट्ट की जिगरा का तेलुगू ट्रेलर किया जारी

स्पेशल नोट के साथ टीम को दी शुभकामनाएं

आरआरआर स्टार राम चरण ने आलिया भट्ट की आगामी फिल्म जिगरा का तेलुगू ट्रेलर जारी किया है. यह फिल्म 11 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर बड़े पर्दे पर आ रही है. ट्रेलर साझा करते हुए गेम चेंजर एक्टर ने अपने आरआरआर को-स्टार के लिए एक प्यारा सा नोट भी लिखा है. राम चरण ने आलिया भट्ट स्टारर जिगरा का तेलुगू ट्रेलर जारी किया किया. इसके सुपरस्टार ने अपने सोशल मीडिया का सहारा लिया है. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम फिल्म का तेलुगू वर्जन में ट्रेलर जारी किया है. साथ ही जिगरा टीम को शुभकामनाएं दी है. राम चरण ने कैप्शन में जिगरा टीम के लिए लिखा है, जिगरा का ट्रेलर बिल्कुल अद्भुत लग रहा है जो आपको इमोशनल रोलरकोस्टर पर ले जाएगा. 11 अक्टूबर को ब्लॉकबस्टर रिलीज के लिए आलिया और पूरी टीम को शुभकामनाएं. राम चरण के इस पोस्ट आलिया भट्ट का रिएक्शन आया है. आरआरआर एक्ट्रेस ने राम चरण के इस पोस्ट अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किया है और कैप्शन में लिखा है, आपका सपोर्ट बहुत मायने रखता है. 26 सितंबर को जिगरा का हिंदी वर्जन में ट्रेलर लॉन्च किया गया था. जिगरा के ट्रेलर में एक बहन के अपने भाई को वापस लाने के संघर्ष को दिखाया गया है, जो एक विदेशी जेल में बंद है. फिल्म में वेदांग रैना आलिया भट्ट के भाई की भूमिका में हैं. फिल्म में आलिया सत्या का किरदार निभा रही है, जबकि व वेदांग उनके भाई अंकुर की. जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. आलिया की फिल्म का मुकाबला राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी स्टारर विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से होगा. हालांकि, जिगरा के ट्रेलर से यह साफ हो जाता है कि यह भी एक ऐसी फिल्म है जिसे देखना चाहिए और यह दर्शकों के बीच सफल हो सकती है.

अनुष्का सेन ने रचा इतिहास

टाइम्स स्क्वायर में लाइव परफॉर्म करने वाली पहली भारतीय कलाकार बनीं

अनुष्का सेन का नाम टीवी जगत की उन अभिनेत्रियों में शामिल है, जिन्होंने बहुत छोटी उम्र में इंडस्ट्री में ऊंचा मुकाम हासिल किया है।अब अनुष्का ने महज 22 साल की उम्र में इतिहास रच दिया है। दरअसल, अनुष्का न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में लाइव परफॉर्म करने वाली पहली भारतीय कलाकार बन गई हैं।अनुष्का ने हाल ही में न्यूयॉर्क शहर के टाइम्स स्क्वायर में मंच पर लाइव परफॉर्म किया है और वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय कलाकार हैं। अनुष्का ने अपने करियर की शुरुआत साल 2009 में आया टीवी शो यहां मैं घर घर खेली के जरिए की थी।इसके बाद वह देवों के देव...महादेव, बालवीर, झांसी की रानी और अपना टाइम भी आएगा जैसे धारावाहिकों में नजर आईं।अनुष्का रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 11वें सीजन में भी दिखाई दे चुकी हैं।अनुष्का ने क्रेजी कुक्कड़ फैमिली, लिहाफ: द क्विल्ट और सम्मादिथि जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

43 की उम्र में नहीं थम रही श्वेता तिवारी की हॉटनेस

स्टनिंग फोटोशूट से बढ़ाया इंटरनेट का पारा

टीवी की हॉट एंड ब्यूटिफुल एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अक्सर फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका मदमस्त अंदाज देखकर फैंस उनके लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी अपनी खूबसूरती और ग्लैमर अंदाज से फैंस का दिल चुराना अच्छे से जानती हैं। ये ही नहीं एक्ट्रेस जब भी अपना लेटेस्ट लुक फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद स्टनिंग फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनकी शोख अदाएं देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। वहीं, उनके इस लुक को देखकर फैंस खुद को लाइक्स और कॉमेंट्स करने से नहीं रोक पा रहे हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने ऑरेंज कलर का स्टाइलिश आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए इंटरनेट का पारा गर्म कर रही हैं। बालों को वेवी स्टाइल लुक में कर्ल कर के, कानों में इयररिंग्स, लाइट मेकअप और न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी चेहरे पर प्यारी सी स्माइल देते हुए फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं। उनका ये कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस 43 साल की हो गई हैं। उनके देखकर अब भी कोई यह अंदाजा नहीं लगा पाएगा की वह दो बच्चों की मां हैं। श्वेता तिवारी ने खुद को काफी फिट कर के रखा हुआ है। इसलिए बढ़ती हुई उम्र में भी वो और ज्यादा खूबसूरत लगती है।